वर्ष 24, अंक 292, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | शुक्रवार 1 मई 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

सर्वे में ममता बनर्जी के साथ हो गया 'खेला'

टुडेज चाणक्या के एग्जिट पोल में बीजेपी की आंधी

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड वोटिंग के बाद अब राजनीतिक पार्टियों को 4 नई को आने वाले नतीजों का इंतजार है. दो चरणों में हुए विधानसभा चुनाव में कुल मतदान 92.47 प्रतिशत दर्ज किया गया. पहले चरण में 93.13 प्रतिशत और दूसरे में 91.66 प्रतिशत मतदान हुआ. इस बीच टुडेज चाणक्या एग्जिट पोल में बीजेपी को 192, टीएमसी को 100 और अन्य को 2 सीटें मिलने का अनुमान है.

बंगाल में बीजेपी को प्रचंड बहुमतः टुडेज चाणक्या

टुडेज चाणक्या के एग्जिट पोल में पश्चिम बंगाल में बीजेपी को प्रचंड बहुमत मिलता नजर आ रहा है. वोट शेयर की बात करें तो राज्य में बीजेपी को 48 फीसदी, टीएमसी को 38 फीसदी, अन्य को 14 फीसदी वोट मिलने की संभावना है. सर्वे में दावा किया गया है कि बीजेपी को दलित और ओबीसी वोटर्स को भरपूर साथ मिला है.

यह चुनाव केवल इस बात तक सीमित नहीं रह गया है कि राज्य सचिवालय तक कौन पहुंचेगा, बल्कि यह इस बात पर जनमत

संग्रह बन गया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 15 सालों के शासन के बाद भी बंगाल की केंद्रीय राजनीतिक शक्ति बनी रहती हैं या नहीं. बंगाल में इस बार स्वतंत्रता के बाद का अब तक का सर्वाधिक मतदान है.

ममता बनर्जी के लिए क्यों जरूरी है ये चुनाव?

ममता बनर्जी के लिए यह चुनाव उनके राजनीतिक जीवन की निर्णायक लड़ाई माना जा रहा है. लगातार तीन कार्यकाल और डेढ़ दशक तक सत्ता में रहने के बाद वह न केवल सत्ता बरकरार रखने बल्कि अपने स्थापित राजनीतिक ढांचे की रक्षा के लिए भी संघर्ष कर रही हैं. दूसरी ओर, बीजेपी के लिए बंगाल अब भी अधूरा राजनीतिक लक्ष्य बना हुआ है. पार्टी का मानना है कि वह राज्य में सत्ता हासिल कर अपने 'अंतिम वैचारिक मोर्चे' को पार कर सकती है. पार्टी का वोट शेयर 2011 में लगभग चार प्रतिशत से बढ़कर 2019 में करीब 40 प्रतिशत तक पहुंचा और 2021 में उसने 77 सीटें जीतीं, जिससे वह तृणमूल की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन गई.

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं का मनोबल गिराने के लिए बीजेपी के निर्देश पर एग्जिट पोल के पूर्वानुमान प्रसारित किए जा रहे हैं. उन्होंने भरोसा जताया कि सत्तारूढ़ पार्टी राज्य चुनावों में 294 विधानसभा सीटों में से 226 से अधिक सीटें जीतेगी।

शांति की बात, लेकिन जंग जैसे कदम

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद को शांति स्थापित करने वाला नेता बताते हैं, लेकिन उनके फैसले और जमीन पर उठाए गए कदम इससे बिल्कुल उलट दिखते हैं. विदेशी मामलों के विशेषज्ञ वाएल अव्वाद ने यह दावा करते हुए कहा कि ट्रंप की नीतियों ने कई देशों में हालात और बिगाड़े हैं.

ट्रंप के दावे और हकीकत में अंतर

विदेश मामलों के विशेषज्ञ वाएल अव्वाद ने कहा कि ट्रंप खुद को शांति का समर्थक बताते हैं, लेकिन वेनेजुएला, ईरान और यूक्रेन-रूस युद्ध में उनके फैसलों ने कई लोगों की जान ली है. उन्होंने कहा कि अगर ट्रंप सच में शांति चाहते, तो अमेरिका की ताकत का इस्तेमाल सभी पक्षों को बातचीत की टेबल पर लाने के लिए करते.

पीसमेकर की छवि पर सवाल

अव्वाद के मुताबिक, ट्रंप खुद को नोबेल शांति पुरस्कार के दावेदार के रूप में पेश करते हैं और बार-बार शांति वार्ता की बात करते हैं, लेकिन उनकी शांति की परिभाषा ही विवादित है. उन्होंने कहा कि ट्रंप की सोच अमेरिकी फर्स्ट और मेक अमेरिकी ग्रेट अगेन विचारधारा से जुड़ी है, जो बहुध्रुवीय दुनिया में ठीक से काम नहीं करती.

तीन सैन्य विकल्प- युद्ध या समझौता

अव्वाद ने बताया कि ट्रंप के सामने तीन विकल्प हैं. पहला, ईरान के साथ युद्ध और नाकेबंदी खत्म कर समझौता करना, जिससे दोनों पक्ष तनाव कम कर सकते हैं. दूसरा विकल्प है लगातार बमबारी कर ईरान पर दबाव बनाना, ताकि वह बातचीत के लिए मजबूर हो जाए. तीसरा विकल्प सबसे खतरनाक? उन्होंने कहा कि ट्रंप फिलहाल तीसरे विकल्प ईरान के खिलाफ नाकेबंदी जारी रखने की ओर झुकाव दिखा रहे हैं. लेकिन इससे हालात और बिगड़ सकते हैं ।

जबलपुर: बरगी डैम में क्रूज डूबने से 4 की मौत, 31 लोग थे सवार, मची चीख-पुकार

जबलपुर

जबलपुर में गुरुवार को हादसा हो गया, जहां अचानक चले आंधी तूफान के चलते नर्मदा बरगी डैम में चलने वाला क्रूज डूब गया. इसमें करीब 31 लोग सवार थे. इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है जबकि 15 लोगों को रेस्क्यू कर लिया गया है. वहीं 12 लोगों की तलाश की जा रही है.

जबलपुर कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने बताया कि जबलपुर के बरगी बांध में एक क्रूज के पलटने से चार लोगों की मौत हो गई, 15 लोगों को बचा लिया गया है और 12 अन्य लोगों के लिए तलाशी

अभियान जारी है. तलाशी और बचाव अभियान चल रहा है.

अगले महीने से शुरू होगी यमुना क्रूज

दिल्ली

दिल्ली सरकार अगले महीने यमुना नदी में एक नई क्रूज सेवा शुरू करने जा रही है, जिसका उद्घाटन मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कर सकती हैं। यह 40 सीटों वाला क्रूज संगीत, मनोरंजन और भोजन जैसी सुविधाओं के साथ एक घंटे की राउंड ट्रिप प्रदान करेगा, जिसका उद्देश्य दिल्ली में पर्यटन को बढ़ावा देना है।

दिल्ली सरकार अपने नदी पुनरुद्धार और पर्यटन विकास कार्यक्रम के तहत अगले महीने यमुना नदी में क्रूज सेवा की शुरूआत कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

आप छोड़कर भाजपा में गए हरभजन सिंह ने पंजाब सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

पंजाब

भारत के पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह एक बार फिर चर्चा में हैं. राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह ने हाल ही में आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी जॉइन की थी. उन्होंने अपनी सुरक्षा हटाए जाने के मामले में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. हरभजन ने अपनी याचिका में पंजाब सरकार से जवाब मांगा है कि आखिर उनकी सुरक्षा क्यों हटाई गई है. कुछ दिन पहले ही एक वीडियो सामने आया, जिसमें आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के घर की बाहरी दीवार पर 'गद्दार' लिख दिया था. हरभजन ने अपनी याचिका में 'गद्दार' लिखने वालों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है.

हरभजन सिंह द्वारा दायर याचिका पर पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने एक्शन लेते हुए पंजाब सरकार और केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है. इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख 12 मई तय की गई है. आपको याद दिला दें कि हरभजन के भाजपा में शामिल होने के बाद जालंधर स्थित उनके घर के बाहर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी. मगर बीते शनिवार हरभजन की सुरक्षा वापस ले ली गई थी. पूर्व क्रिकेटर ने सुरक्षा बहाल किए जाने की मांग की है. आपको याद दिला दें कि राघव चड्ढा, हरभजन सिंह, अशोक मित्तल, स्वाती मालिवाल, संदीप पाठक, विक्रम साहनी और राजिंदर गुप्ता, इन 7 सांसदों ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया है।

घर ऐसे घेर लिया, जैसे किसी आतंकी को पकड़ने आए हों, सुप्रीम कोर्ट में तीखी बहस

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम पुलिस द्वारा दर्ज एक मामले में अग्रिम जमानत की मांग की थी। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी, रिंकी भुइयां सरमा की शिकायत पर दर्ज किया गया था। जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस अतुल चंदुरकर की बेंच ने इस मामले की सुनवाई तब की, जब गुवाहाटी हाई कोर्ट ने खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यह मामला खेड़ा के उन आरोपों से जुड़ा है कि रिंकी भुइयां सरमा के पास कई विदेशी पासपोर्ट हैं और विदेशों में उनके वित्तीय हित हैं। खेड़ा की ओर से पेश होते हुए वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि हिरासत में पूछताछ की कोई जरूरत नहीं है और उन्होंने गिरफ़्तारी की आवश्यकता पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, "हिरासत में पूछताछ करके अपमानित करना क्यों जरूरी है?

यूपी 2027 चुनाव में सीएम योगी नहीं होंगे बीजेपी का चेहरा!

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश की सियासत में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी में परस्पर तीखी टीका-टिप्पणीय तेज हो गई हैं. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा सपा की पूर्व सरकारों और नेताओं पर हमले के बाद अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी सीधा हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री वर्तमान को क्यों भूल जाते हैं और आने वाले कल की बात क्यों नहीं करते. यही नहीं उन्होंने अगले चुनाव में उनके सीएम चेहरा होने पर भी सवाल खड़ा कर दिया है.

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस

संबंध में एक पोस्ट भी की है, जिसमें मुख्यमंत्री पर सीधा हमला बोला है. इसमें उन्होंने बीजेपी सरकार के सत्ता से जाने का दावा भी किया है.

यह भी पढ़ेंः जल जीवन मिशन 2.0 को मिली रफ्तार, उत्तराखंड में हर घर तक शुद्ध पानी पहुंचाने के लिए बड़ा समझौता

अखिलेश यादव का पोस्ट

अखिलेश यादव ने पोस्ट में लिखा, "मुख्यमंत्री जी वर्तमान को क्यों भूल जाते हैं और आनेवाले कल की बात क्यों नहीं करना चाहते हैं. सुनने में तो ये आया है कि आप ही चेहरा होंगे फिर आनेवाले कल पर बात करने से क्यों कतराते हैं. कहीं आप भाजपाइयों की दस साल पुरानी उस बात को याद करके तो नहीं घबराते हैं कि भाजपावाले जिसे चेहरा बनाते हैं, उसको पिछले दरवाजे का रास्ता दिखाते हैं."

उन्होंने आगे कहा, "सच तो ये है कि आप भी जानते हैं कि ऐसे या वैसे या फिर कैसे भी न तो आप, न आपके दल के लोग सत्ता में वापस आ रहे हैं।

भारत-इक्वाडोर संबंधों में नई ऊर्जा! विदेश मंत्री एस जयशंकर और गैब्रिएला सोमरफेल्ड के बीच अहम द्विपक्षीय वार्ता

नई दिल्ली

भारत और इक्वाडोर ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत दौरे पर आईं इक्वाडोर की विदेश मंत्री गैब्रिएला सोमरफेल्ड रोसरो से मुलाकात की। इस उच्च स्तरीय बैठक में व्यापार, स्वास्थ्य और डिजिटल तकनीक जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। जयशंकर ने ह्यएक्सह्व पर लिखा कि उन्हें इक्वाडोर की विदेश मंत्री का भारत में स्वागत

कर खुशी हुई और दोनों देशों ने सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश बहुपक्षीय मंचों पर मिलकर काम करेंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, रोसरो तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत आई हैं और उन्होंने बुधवार को अपने दौरे के पहले दिन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात की।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद सिर्फ बयान नहीं देता भारत- राजनाथ

नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को दोहराया कि भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को स्वेच्छा से और अपनी शर्तों पर रोका था, और वह पाकिस्तान के खिलाफ एक 'लंबे युद्ध' के लिए तैयार है। सिंह अठक नेशनल सिक्योरिटी समिट 2.0 में बोल रहे थे, जब उन्होंने पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद का केंद्र बताया और आतंकवाद की वैचारिक और राजनीतिक जड़ों को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने ठीक उन्हीं लोगों को निशाना बनाया जिन्होंने हम पर

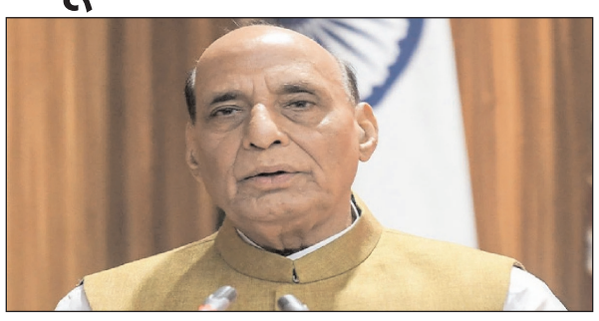

हमला किया था। और मैं यहाँ फिर से यह साफ कर देना चाहता हूँ कि हमने यह ऑपरेशन इसलिए नहीं रोका क्योंकि हमारी क्षमताएँ कम हो गई थीं। हमने इसे अपनी मजी से, अपनी शर्तों पर रोका, और अगर जरूरत पड़ती, तो हम एक लंबी लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार थे। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने तब से अपनी क्षमताओं का विस्तार किया है और अचानक जरूरत पड़ने पर वे पूरी तरह से मजबूत हैं। हमारे पास 'सर्ज कैपेसिटी' (अचानक जरूरत पड़ने पर अपनी क्षमताओं को बढ़ाने की क्षमता) भी थी। न केवल हमारे पास यह पहले थी, बल्कि आज भी है और अब तो यह पहले से भी कहीं ज्यादा मजबूत है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि अब और कुछ कहने की जरूरत है। सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को एक "टर्निंग पॉइंट" बताया, जिसने दुनिया को यह दिखाया कि भारत आतंकवादी हमलों के जवाब में सिर्फ. कूटनीतिक बयानों पर ही निर्भर नहीं रहता। उन्होंने आतंकवाद पर अपनी "जीरो टॉलरेंस पॉलिसी" के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी तारीफ की और कहा कि उनके नेतृत्व में, "किसी भी परिस्थिति में कोई भी आतंकवादी गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

'ऑपरेशन सिंदूर' को लगभग एक साल हो चुका है, और हमारा 'ऑपरेशन सिंदूर' भी इस नई विश्व व्यवस्था का ही एक प्रतीक है। यह एक ऐसा निर्णायक मोड़ था जिसने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अब वह देश नहीं रहा जो पुरानी सोच पर चलता हो–जहाँ हमारी धरती पर आतंकवादी हमले होते थे ।

बेंगलुरु में भारी बारिश का कहर! 24 घंटे में 8 की मौत, सड़कें बनीं नदियां, जारी हुई अलर्ट

बेंगलुरु

बेंगलुरु में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने शहर में भारी तबाही मचाई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण दीवार गिरने और करंट लगने जैसी घटनाओं में अब तक आठ लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है। भारी बारिश के चलते विधान सौध जैसी महत्वपूर्ण इमारतों और रिहायशी इलाकों में कमर तक पानी भर गया, जबकि दर्जनों स्थानों पर पेड़ उखड़ने से यातायात और बिजली आपूर्ति ठप हो गई। सरकार ने मृतकों के

परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर शहर के बुनियादी ढांचे और ड्रेनेज सिस्टम की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अस्पताल परिसर के पास बनी एक बगल की इमारत की कंपाउंड वॉल (दीवार) ढह गई और सड़क किनारे खड़े उन विक्रेताओं और पैदल चलने वालों पर गिर गई, जिन्होंने बारिश से बचने के लिए वहां शरण ली थी।

गिरगिट भी शर्मा जाए... विधानसभा में विपक्ष पर बरसे योगी आदित्यनाथ

गेस्ट हाउस कांड याद दिलाकर सपा-कांग्रेस को किया 'निर्वस्त्र'

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश विधानसभा के विशेष सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर कड़ा हमला बोला। महिला सशक्तिकरण के मुद्दे पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों ने हमेशा महिलाओं की गरिमा, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़ी योजनाओं का विरोध किया है। उन्होंने संसद से लेकर सड़क तक विपक्ष के रवैये को "दोहरा" करार दिया।

"महिलाओं के उत्थान का हमेशा हुआ विरोध"

मुख्यमंत्री ने सदन में 'क्ठउक्रअ' गठबंधन की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के लिए उठाए गए हर प्रगतिशील कदम में विपक्ष ने अड़ंगा लगाया है।

संसदीय आचरणः योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर हुई चर्चा का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां भी विपक्षी दलों का नकारात्मक रवैया पूरे देश ने देखा।

अस्थिरता का आरोपः उन्होंने कहा कि विपक्ष विकास की बात तो करता है, लेकिन जब सदन में ठोस प्रस्ताव आते हैं, तो वे अपनी राजनीति चमकाने के लिए उनका विरोध करते हैं।

उन्होंने कहा, "महिलाओं के उत्थान, सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए उठाए गए किसी भी प्रगतिशील कदम का विपक्षी पार्टियों ने हमेशा विरोध किया है।" उन्होंने

संसद में हुई पिछली बहसों का भी ज़िक्र किया और दावा किया कि लोकसभा में चर्चा के दौरान भी ऐसा ही रवैया देखने को मिला था।

सीएम ने 1995 के गेस्ट हाउस कांड का मुद्दा फिर उठाया

महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी पर हमला बोलते हुए उट ने 1995 के 'स्टेट गेस्ट हाउस कांड' का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि यह घटना विपक्षी पार्टी के पिछले आचरण की याद दिलाती है। योगी आदित्यनाथ ने मायावती से जुड़ी उस घटना को याद किया, जब 1995 में राजनीतिक तनाव के दौरान एक स्टेट गेस्ट हाउस में कथित तौर पर उन पर हमला किया गया था। उन्होंने कहा, "हर किसी को 1995 की वह घटना याद है, जब राज्य की पहली दलित मुख्यमंत्री को गेस्ट हाउस में हमले का सामना करना पड़ा था। यह समाजवादी पार्टी के आचरण को दशार्ता है।" मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उस समय इखढ ने मायावती का समर्थन करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप किया था। उन्होंने दिवंगत इखढ नेता ब्रह्म दत्त द्विवेदी का ज़िक्र करते हुए दावा किया ।

उमापुर में रेलवे अंडरपासिंग की ग्रामीणों ने की मांग अधिकारी मौके पर पहुंचकर समाधान का आश्वासन दिया

अखंड भारत संदेश

मांडा। क्षेत्र के उमापुर गांव में ग्रामीणों ने गुरुवार को रेलवे विभाग द्वारा बाउंड्री वॉल के निर्माण कराए जाने से रोक दिया। ग्रामीण आवागमन के लिए रेलवे क्रॉसिंग और अंडरपासिंग की मांग कर रहे हैं। ग्रामीणों के विरोध के बाद एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रसाद यादव, एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय, रेलवे विभाग के सीनियर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गिरीश कुमार त्रिपाठी और पीडब्ल्यूडी विभाग के एई अभिषेक सिन्हा मौके पर पहुंचे।

अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं को प्रमुखता से सुना। उमापुर गांव निवासी गुड्डू ने अन्य ग्रामीणों के साथ मिलकर आवागमन को सुचारु रखने की मांग रखी। अधिकारियों ने आपसी समझौते से समस्या का निस्तारण करने का आश्वासन दिया।

एसडीएम ने पीडब्ल्यूडी विभाग को ग्रामीणों का सहमति पत्र जल्द उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। इसके बाद पीडब्ल्यूडी विभाग रेलवे को रिपोर्ट भेजेगा, जिसके आधार पर रेलवे द्वारा अंडरपासिंग पुल और सड़क का निर्माण कर आवागमन बहाल किया जाएगा रेलवे के सीनियर एग्जीक्यूटिव इंजीनियर गिरीश कुमार त्रिपाठी ने ग्रामीणों से अपील की कि चार मीटर अंडरपासिंग के लिए जगह छोड़ी जा रही है, इसलिए बाउंड्री वॉल के काम में बाधा न डाली जाए। उन्होंने कहा कि विभाग से अनुमति मिलने पर अंडरपासिंग पुल और सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रसाद यादव ने ग्रामीणों की सहमति पर शुक्रवार तक सड़क चिन्हित कर पीडब्ल्यूडी को रिपोर्ट भेजने का आश्वासन दिया।

एसीपी मेजा संत प्रसाद उपाध्याय ने आश्वासन के बाद रेलवे के कार्यों में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने मांडा इंस्पेक्टर अनिल कुमार वर्मा को शांति व्यवस्था बनाए रखने का निर्देश दिया। इंस्पेक्टर ने अधिकारियों को उनके निर्देशानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।

लापरवाही बरतने में अवर अभियंता को किया गया सस्पेंड

प्रयागराज। जार्ज टाउन मे विद्युत विभाग अवर अभियंता (जेई) अभय यादव को लापरवाही व काम मे शिथिलता बरतने के आरोप मे सस्पेंड कर दिया गया है। कार्यवाही से नाराज अवर अभियंता एक टॉवर पर चढ़ गए और कूद कर आत्महत्या की धमकी देने लगे। जिससे मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। ऐसा लगता है कि जैसे एक पूरी तरह से प्लानिंग के तहत इस कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। जिस प्रकार से वायरल वीडियो में आवाज आ रही है। वह कुछ और ही बयां कर रही है। हालांकि कुछ भी हो, लापरवाही की आरोप में संबंधित अवर अभियंता को निलंबित कर दिया गया है। वह अपने आप को बचाव के लिए संबंधित लोगों पर आरोप प्रत्यारोप का दौर जारी है। हालांकि यह जांच का विषय है।

रोजगार मेले में 55 अभ्यर्थियों का चयन, 94 ने किया प्रतिभाग

प्रयागराज। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय परिसर में गुरुवार को आयोजित एक दिवसीय रोजगार मेले में निजी कंपनियों ने 55 अभ्यर्थियों का चयन किया। मेले में कुल 94 बेरोजगार युवाओं ने भाग लेकर रोजगार के अवसर तलाशे। सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस रोजगार मेले में विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियों ने अभ्यर्थियों के साक्षात्कार लिए और योग्यता के आधार पर चयन प्रक्रिया पूरी की। कार्यक्रम के दौरान युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह के रोजगार मेलों का उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। चयनित अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया के लिए संबंधित कंपनियों द्वारा सूचित किया जाएगा। इस अवसर पर सेवायोजन कार्यालय के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे, जिन्होंने मेले के सफल आयोजन में सहयोग किया।

श्रमिक दिवस पर कर्मचारियों का सम्मान, संतों ने दिया आशीर्वाद

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शिवकुटी स्थित श्री नारायण आश्रम बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक कर्मचारियों को सम्मानित किया गया और उनके योगदान की सराहना की गई।

कार्यक्रम में आश्रम के संतों ने उपस्थित होकर सभी कर्मचारियों को आशीर्वाद प्रदान किया। आश्रम की सचिव श्रीमती प्रभा अग्रवाल, संत श्री नीरज जी तथा डॉ. अजीत राय ने श्रमिक दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती विभा मिश्रा ने इस अवसर पर सहायक कर्मचारियों को उपहार भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विद्यालय की प्रगति में कर्मचारियों की मेहनत और समर्पण का महत्वपूर्ण योगदान है।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिलकर श्रमिकों के सम्मान और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।

सूचना देने में कोताही बरत रहे थाना प्रभारी, पत्रकार एसोसिएशन ने पुलिस उपायुक्त से की शिकायत

अखंड भारत संदेश

बारा प्रयागराज। यमुना नगर क्षेत्र के थाना प्रभारियों द्वारा पत्रकारों को समय पर सूचनाएं उपलब्ध न कराए जाने के विरोध में 'पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज' ने मोर्चा खोल दिया है। पत्रकार एसोसिएशन प्रयागराज के प्रदेश अध्यक्ष पी.सी. पाण्डेय ने इस संबंध में पुलिस उपायुक्त (DCP) को एक मांग पत्र सौंपकर मामले में हस्तक्षेप करने और थाना प्रभारियों को निर्देशित करने की मांग की है। पुलिस उपायुक्त को दिए गए पत्र में पत्रकारों ने आरोप लगाया है कि सर्किल क्षेत्र के विभिन्न थानों द्वारा क्षेत्र में घटने वाली घटनाओं या दैनिक 'मॉर्निंग सूचनाओं' को समय पर साझा नहीं किया जा रहा है। पत्रकारों का कहना है कि सूचना मिलने में देरी के कारण समाचारों के संकलन से लेकर उनके प्रकाशन तक में भारी कठिनाई हो रही है।

पत्रकार एसोसिएशन ने पत्र में इस बात पर जोर दिया है कि शासन स्तर से स्पष्ट निर्देश हैं कि मीडिया को महत्वपूर्ण और जनहित से जुड़ी सूचनाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं ताकि जनता तक सही तथ्य पहुँच सकें। पत्रकारों का कहना है कि इस संबंध में कई बार स्थानीय थाना प्रभारियों को व्यक्तिगत रूप से भी अवगत कराया गया, लेकिन उनके रवैये में कोई सुधार नहीं दिख रहा है।

पत्रकार एसोसिएशन ने पुलिस उपायुक्त से अनुरोध किया है कि प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सभी थाना प्रभारियों को कड़े निर्देश जारी किए जाएं। मांग की गई है कि पुलिस प्रशासन और मीडिया के बीच समन्वय बेहतर किया जाए ताकि प्रेस नोट और आधिकारिक जानकारी एक निश्चित समय सीमा के भीतर पत्रकारों तक पहुँच सके।

करछना ब्लॉक में दिव्यांगों के लिए शिविर सहायक उपकरणों के लिए आवेदन

अखंड भारत संदेश

करछना। दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से गुरुवार को करछना ब्लॉक परिसर में दिव्यांगजनों के चिन्हांकन के लिए शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन पहुंचे, जहां कुल 103 लाभार्थियों का पंजीकरण किया गया।शिविर में विभिन्न सहायक उपकरणों के लिए भी आवेदन लिए गए। इसमें ट्राई साइकिल के लिए 31, मोटराइज्ड साइकिल के लिए 14, कान की मशीन के लिए दो, बैसाखी के लिए छह, व्हीलचेयर के लिए दो, कृत्रिम हाथ-पैर के लिए 24 और छड़ी के लिए पांच लाभार्थियों ने आवेदन किया। इसके अलावा पहले से आवेदन कर चुके 30 लाभार्थियों को मौके पर ही दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाकर वितरित किए गए। इससे लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में सहूलियत मिलेगी।शिविर में आर्थो सर्जन डॉ. केएन पांडेय, नेत्र सर्जन डॉ. सुभाष चंद्र, ऑडियोलॉजिस्ट डॉ. संकल्प शुक्ला के साथ दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संदीप कुमार शुक्ला, संजय यादव, अजय यादव आदि मौजूद रहे।

मऊआइमा में इजलास दस्तार बंदी जलसा का आयोजन आज

मऊआइमा। मऊआइमा के मदरसा जामिया अरबिया अनवारूल उलूम में हर वर्ष के भाति इस वर्ष भी एक मई 2026 दिन शुक्रवार को शाम 6 बजे से वार्षिक इजलास दस्तार बंदी जलसे का आयोजन किया गया है। जिसमें 23 हाफिज 8 कारी,12 अलमात (लड़कियों) को सम्पूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण होने पर प्रमाण पत्र दिया जाएगा। दस्तारबंदी खत्म बुखारी जलसा में कारी हबीब अहमद,कारी इम्तियाज, मौलाना आदम मुस्तफा, मौलाना इरफान, कारी इकरार, शायर तारिक जमीन, बातिन फैजी आदि शामिल होंगें।और प्रमाण पत्र वितरित के बाद कारी, मौलवी, शायरों द्वारा लोगों को अपना विचार बताएंगें। उक्त जानकारी के इजलास के आयोजक मुफ्ती मौलाना हबीबुर्रहमान ने दी है।

घर में घुसकर मार पीट तेरह नामजद दस अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम तेलियावीर निवासनीय माया देवी पत्नी छेदीलाल का कहना है कि वह अपने मकान में मिट्टी समतल करा रही थी। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर विपक्षी एक राय होकर घर में घुसकर उसे और उसके पति छोटे लाल को मारे पीटे बीच बचाव में आए परिवार के धर्मेन्द्र और वन्दना देवी को मार कर बेहोश कर दिए।तथा गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। माया देवी की तहरीर पर मऊआइमा पुलिस ने राहुल कुमार, राजा, नीरज, श्याम लाल, अखिलेश, कमलेश, जगनारायण, राम नारायण, कल्लू, सोनू, मोनू, राजू, मुन्ना तथा पांच से दस अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

13 टन बिजली केबल चोरी का खुलासा, दो शातिर गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर में बिजली केबल चोरी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब 13 टन वजनी चोरी की विद्युत केबल बरामद हुई है, जिसकी कीमत लगभग 35 से 40 लाख रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. आसिफ मलिक और सावी खान के रूप में हुई है। दोनों पर 33 केवी की विद्युत केबल चोरी करने का आरोप है। यह कार्रवाई मुट्ठीगंज थाना पुलिस और सर्विलांस सेल की संयुक्त टीम ने की। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को परेड ग्राउंड थाना क्षेत्र के दारागंज इलाके से गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से चोरी के दो ड्रम तार बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों से गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है और इस चोरी में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

37 वर्षों की सरकारी सेवा से प्रधान सहायक बालकृष्ण पाठक सेवानिवृत्त

कोरांव। कोरांव तहसील के पसना इलाके स्थित बभनपट्टी गांव निवासी बालकृष्ण पाठक 30 अप्रैल 2026 को सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने भूमि संरक्षण अधिकारी, प्रयागराज मंडल कार्यालय में प्रधान सहायक के पद से 37 वर्षों की सेवा पूरी की। श्री पाठक नवंबर 1989 में नियुक्त हुए थे।

अपने मृदुल और सहज स्वभाव के कारण श्री पाठक कार्यालय के सहयोगियों, अधिकारियों और पसना इलाके के ग्रामीणों के बीच काफी लोकप्रिय थे।

सेवा निवृत्ति के अवसर पर, अपने अंतिम कार्य दिवस पर प्रयागराज कार्यालय से दोपहर 4 बजे घर लौटने पर ग्रामीणों ने पसना में उनका स्वागत किया। उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया गया। पसना से एक जुलूस के रूप में श्री पाठक को उनके निवास बभनपट्टी तक पहुंचाया गया।

इस स्वागत समारोह में रमाशंकर पाठक, संजय तिवारी, प्रधान प्रतिनिधि भोला दुबे, जटाशंकर मिश्र कोमल पांडे दयाशंकर पांडे हरिप्रकाश उपाध्याय नैनेश दुबे, बबलू पाठक, सोनू पाठक और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। उनके परिवार के सभी सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आंधी, तूफान से चनेथू गांव में जन जीवन अस्त व्यस्त

जंघई। उत्तर प्रदेश और अन्य क्षेत्रों में अचानक आई तेज आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। पेड़ों के उखड़ने, बिजली के खंभे गिरने और मकान/टीन शेड उड़ने से कई जगहों पर यातायात बाधित हुआ, बिजली आपूर्ति ठप रही और जान-माल का नुकसान हुआ। इसी क्रम में चनेथू गांव में प्राइमरी स्कूल के बगल हरिजन बस्ती में कल्लू गौतम, विजय बहादुर, राम बहादुर, सुरेंद्र गौतम का खपरैल गिर गया और काफी नुकसान हुआ है प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है।

नारी वंदन अधिनियम का छात्राओं ने किया समर्थन

अखंड भारत संदेश

जंघई। भारतीय जनता पार्टी मंडल पंवारा में आयोजित महिला/ छात्रा संपर्क अभियान के अंतर्गत विपक्षियों द्वारा नारी वंदन अधिनियम का विरोध कर नारी शक्ति का अपमान किए जाने पर नागरिक महाविद्यालय जंघई में छात्राओं से संपर्क कर उनके विचार साझा करने हेतु आयोजित गोष्ठी में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लिया व नारी वंदन अधिनियम का पुरजोर समर्थन किया और इस बिल को पुनः लाने के समर्थन में खुलकर अपनी राय व्यक्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष पंवारा अजय कुमार दुबे ने किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रांतीय परिषद सदस्य पुष्पा शुक्ला व महाविद्यालय की तरफ से डॉक्टर ममता यादव उपस्थितरहीं। कार्यक्रम का संचालन जिला कार्यसमिति सदस्य चंद्रमणि तिवारी ने किया तथा कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष आशीष दुबे, महामंत्री रविशंकर पांडेय, पिंटू शर्मा उपस्थित रहे।

करेली में कबाड़ गोदाम में भीषण आग लाखों का सामान जलकर राख

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। करेली थाना क्षेत्र के मुर्गा दरबार के पास स्थित एक कबाड़ गोदाम में सोमवार को अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की ऊंची-ऊंची लपटें दूर से ही दिखाई दे रही थीं।आग लगते ही आसपास के लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। स्थानीय लोगों ने तुरंत आग बुझाने का प्रयास किया और बालू व पानी की मदद से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण उनके प्रयास सफल नहीं हो सके।

सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। दमकल कर्मियों की तत्परता से आग को आसपास के क्षेत्रों में फैलने से रोका जा सका, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।इस अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जो राहत की बात रही। घटना के समय गोदाम में कोई मौजूद नहीं था, अन्यथा बड़ा नुकसान हो सकता था। हालांकि, आग में लाखों रुपये मूल्य का कबाड़ जलकर पूरी तरह नष्ट हो गया।आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल सका है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या किसी लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे हुए हैं। प्रशासन ने जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

महाकुंभ भगदड़ मामले में हाईकोर्ट का बड़ा निर्देश मुआवजा दावों पर 30 दिन में निर्णय अनिवार्य

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जनवरी 2025 में महाकुंभ मेला के दौरान हुई भगदड़ से जुड़े मुआवजा मामलों पर अहम टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया है कि अनुग्रह राशि से संबंधित दावों का निस्तारण राज्य द्वारा गठित न्यायिक जांच आयोग नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया है कि सभी मुआवजा दावों पर अधिकतम 30 दिनों के भीतर निर्णय लिया जाना अनिवार्य होगा।

जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस सत्य वीर सिंह की खंडपीठ संजय कुमार शर्मा की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में 29 जनवरी 2025 (मौनी अमावस्या) को हुई भगदड़ में एक व्यक्ति की मृत्यु पर मुआवजे की मांग की गई थी।

आयोग की भूमिका पर स्थिति स्पष्ट

अदालत ने न्यायिक जांच आयोग के सचिव द्वारा दाखिल हलफनामे का अवलोकन करते हुए कहा कि मुआवजा तय करना आयोग के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। आयोग का कार्य केवल घटना के कारणों की जांच करना, भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचाव के सुझाव देना और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा करना है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने घटना के अस्तित्व से इनकार नहीं किया है और कुछ मामलों में पहले ही मुआवजा दिया जा चुका है, ऐसे में आयोग द्वारा घटना की पुनः जांच आवश्यक नहीं है।

30 दिन में निस्तारण का निर्देश

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि सभी

दावों को जिला प्रशासन या मेलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। प्रत्येक मामले में मृत्यु या क्षति के तथ्यों का सत्यापन किया जाएगा। पुलिस की इनक्वेस्ट रिपोर्ट और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट को, जब तक विपरीत साक्ष्य न हो, प्रमाणिक माना जाएगा।

साथ ही, कोर्ट ने आदेश दिया कि मेलाधिकारी प्रत्येक मुआवजा दावे पर 30 दिनों के भीतर अंतिम निर्णय लें।

वर्तमान मामले में अदालत ने पाया कि संबंधित मृतक की पोस्टमॉर्टम और इनक्वेस्ट रिपोर्ट उपलब्ध हैं। इस पर कोर्ट ने मेलाधिकारी को तीन सप्ताह के भीतर निर्णय लेने और 7 मई तक अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

गंगा में छोड़े गए 30 हजार मछली के अंगुलिका बीज

प्रयागराज। गंगा नदी में घटती मत्स्य प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन को लेकर केन्द्रीय अन्तर्स्थलीय मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सिफरी) प्रयागराज ने संगम तट पर 30 हजार मछलियों के अंगुलिका बीज गंगा में छोड़ा। गुरुवार को यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के तहत आयोजित किया गया। इस रैंचिंग कार्यक्रम के तहत भारतीय प्रमुख कार्प प्रजातियों कतला, रोहू और मृगल के अंगुलिका बीज गंगा नदी में प्रवाहित किए गए। वैज्ञानिकों के अनुसार एक किलोग्राम में लगभग 66 मछलियां होती हैं, इस प्रकार कुल करीब 455 किलोग्राम मछलियों को नदी में छोड़ा गया।

एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर मेजा की बेटी ने बढ़ाया क्षेत्र और प्रयागराज जिले का गौरव

एफएच मेडिकल कॉलेज टुंडला आगरा से एमबीबीएस डाक्टर बन घर लौटी बेटी नूर के फातमा का क्षेत्र के लोगों ने किया भव्य स्वागत एवं अभिनंदन, घर में है जश्न का माहौल बधाई देने वालों का लगा है तांता

अखंड भारत संदेश

मेजा। कहते हैं कि हौंसला बुलंद हैं तो सफलता कदम चूमती है। इसी कहावत को चरितार्थ करते हुए एफएच मेडिकल कॉलेज टुंडला आगरा से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी कर बुलंद हौसला के साथ अपने घर लौटी डॉ नूर के फातमा ने आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। डा नूर के फातमा द्वारा आगरा में कड़ी मेहनत और परिश्रम के साथ साथ की गई पढ़ाई और परिजनों का आशीर्वाद रंग लाया है। नूर के फातमा ने एमबीबीएस की डिग्री हासिल कर न केवल परिवार का नाम रोशन किया है बल्कि उनकी इस उत्कृष्ट सफलता ने मेजा के साथ साथ पूरे प्रयागराज जनपद का गौरव बढ़ाया है। उल्लेखनीय है कि मेजा तहसील क्षेत्र के विकास खंड उरुवा स्थित ग्राम पंचायत ओनौर (जेरा) गांव निवासी डॉ नूर के फातमा मेजाखास बाजार तथा रामनगर बाजार स्थित सनसेवा अस्पताल और प्रयाग हास्पिटल के निदेशक डॉ पीर मोहम्मद की बेटी हैं। इनकी माता बेगम जन्नतुल निशा बेहद सरल स्वभाव की एक सामान्य गृहणी हैं, नूर के फातमा तीन भाइयों में एकलौती बहना हैं, इनके बड़े भाई डॉ अब्दुल खालिद, मझले भाई डॉ मोहम्मद आरिफ और सबसे छोटे भाई डा नूर मोहम्मद जो विगत वर्ष वनसी नैनिंग सिटी चाइना से एमबीबीएस डा बन अपने पिता के स्वयं की हास्पिटल में ही क्षेत्र के लोगों को उत्कृष्ट सेवा दे

एमबीबीएस डा नूर के फातमा

रहे हैं। डा नूर गौरतलब है कि नूर के फातमा के गृह जनपद और हास्पिटल पर पहुंचने पर क्षेत्र के लोगों ने माल्यार्पण और आतिशबाजी करते हुए गर्मजोशी के साथ उनका भव्य स्वागत एवं अभिनन्दन किया। डॉ नूर के फातमा के घर ओनौर जेरा में जश्न का माहौल है। बता दें कि बेटी के एमबीबीएस डा बनने की खुशी में परिजनों द्वारा पूरे गांव के लोगों का जहां मुंह मीठा कराया जा रहा है वहीं बधाई देने तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना करने वाले क्षेत्र के लोगों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में उपेंद्र राम मिश्रा प्रधान मदरा, पंकज तिवारी,प्रदीप पांडेय, भोला तिवारी,सर्वेश तिवारी, रामेश्वर प्रसाद शुक्ल,प्रधान प्रतिनिधि रामनगर नीरज यादव, गुलजार अली,रियाज अहमद, सिकंदर अली तथा सरोज मिश्रा आदि के अलावा कई अन्य लोग प्रमुख रूप से शामिल रहे।

व्यापारियों की समस्याओं के समाधान पर जोर जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक में निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला प्रशासन ने व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित और संतोषजनक निस्तारण पर जोर देते हुए संबंधित अधिकारियों को संवेदनशीलता के साथ काम करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को संगम सभागार में आयोजित जिला व्यापार बंधु समिति की बैठक में यह निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशन में हुई बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (आपूर्ति) विजय शर्मा ने की। इस दौरान डीसीपी नगर मनीष कुमार शांडिल्य और डीसी जीएसटी संजय सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में व्यापारियों द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, लंबित मामलों में तेजी लाते हुए समयबद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में पिछली बैठक में उठाए गए मुद्दों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। जिन मामलों में व्यापारी संतुष्ट पाए गए, उन्हें उनकी सहमति से निस्तारित कर दिया गया। बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कई समस्याएं उठाईं, जिन पर संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए गए। नगर निगम, प्रयागराज विकास प्राधिकरण और पुलिस कमिश्नरेट सहित अन्य विभागों को भी शिकायतों के प्रभावी समाधान के लिए जिम्मेदारी तय की गई।

इस मौके पर समिति के सदस्य, व्यापार मंडल के पदाधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन ने भरोसा दिलाया कि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

शासन की गतिविधियों और सामुदायिक विकास कार्यों में निगम भूमिका है सराहनीय : हर्षिका सिंह

मेजा ऊर्जा निगम में ग्रामीण क्षेत्रों का सतत विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर ग्राम विकास सलाहकार समिति की बैठक आयोजित

बैठक में निगम के सीईओ जी श्रीनिवास ने दोहराया संकल्प कहा मेजा ऊर्जा निगम विद्युत उत्पादन के साथ प्रभावित क्षेत्रों के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए है प्रतिबद्ध

अखंड भारत संदेश

मेजा। मेजा ऊर्जा निगम (प्रा.) लिमिटेड द्वारा गुरुवार को निगम परिसर में 'ग्राम विकास सलाहकार समिति की बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता प्रयागराज की मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह ने की। कार्यक्रम के शुभारंभ पर एमयूएनपीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव ने मुख्य अतिथि, जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभिन्न ग्रामों से आए ग्राम प्रधानों का

मेजा ऊर्जा निगम में आयोजित ग्राम विकास सलाहकार समिति की बैठक मौजूद सीडीओ निगम के अधिकारी और प्रधान गण

आत्मीय स्वागत किया। इस बैठक का प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास, सामाजिक कल्याण योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन और स्थानीय समुदाय की जमीनी आवश्यकताओं को समझना था। एमयूएनपीएल के अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) विवेक चन्द्र ने समिति की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निगम अपने प्रभावित और निकटवर्ती क्षेत्रों के उत्थान के लिए सतत रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए सभी जन प्रतिनिधियों से सक्रिय सहयोग की अपील की। बैठक के दौरान एक खुला संवाद स्थापित किया गया,जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पेयजल, स्वच्छता, पशुधन समृद्धि, कौशल विकास एवं रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक के दौरान नैगम सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत संचालित परियोजनाओं की प्रगति साझा की गई और भविष्य की योजनाओं के लिए जिला प्रशासन एवं ग्राम प्रधानों से बहुमूल्य सुझाव आमंत्रित किए गए। निगम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जी श्रीनिवास राव ने अपने संबोधन में कहा कि मेजा ऊर्जा निगम विद्युत उत्पादन के साथ-साथ अपने प्रभावित और निकटवर्ती क्षेत्रों के सामाजिक आर्थिक विकास के लिए पूरी तरह समर्पित है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि निगम केंद्र एवं राज्य सरकार के कल्याणकारी अभियानों में जिला प्रशासन को हर संभव सहयोग प्रदान करेगा। मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह ने निगम द्वारा विगत वर्षों में किए गए सामुदायिक विकास कार्यों की सराहना की और शासन द्वारा संचालित गतिविधियों में निरंतर सहभागिता बनाए रखने का आह्वान किया। बैठक में उप जिलाधिकारी मेजा सुरेंद्र प्रताप सिंह, खंड विकास अधिकारी मेजा अमित कुमार सिंह, खंड शिक्षाधिकारी कैलाश नाथ सिंह, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा अधीक्षक डॉ शमीम अख्तर तथा उपपशु चिकित्साधिकारी सहित विभिन्न गांवों के प्रधान और निगम के वरिष्ठ

अधिकारीगण उपस्थित रहे। इस बैठक के माध्यम से निगम और ग्रामीण समुदाय के बीच विमर्श एवं सहयोग को नई गति मिलेगी जो आत्मनिर्भर ग्राम पंचायत की अवधारणा को साकार करने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज मेजा के विद्यार्थियों ने रचा सफलता का इतिहास

स्कूल की प्रबंधक डॉ स्वतंत्र मिश्रा,प्रधानाचार्य संतोष मालवीय और शिक्षक शिक्षिकाओं ने दी बधाई किया उज्जवल भविष्य की कामना

अखंड भारत संदेश

मेजा। गुरुवार को घोषित हुए आईसीएसई कक्षा 10 के परीक्षा परिणाम में दुर्गावती इंटरनेशनल स्कूल एंड कॉलेज, मेजा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा,जो विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के सतत सहयोग का परिणाम है।

विद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने कई विषयों में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की है जिसमें प्रमुख टॉपर विद्यार्थियों में आयूष मिश्रा 90 प्रतिशत, प्रत्यक्ष तिवारी 89 प्रतिशत तथा शौर्य केसरी 86 प्रतिशत अंक अर्जित कर मिशाल कायम किया है। उल्लेखनीय है कि इन विद्यार्थियों ने न केवल शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्टता

प्रदर्शित की है, बल्कि अनुशासन, परिश्रम एवं समर्पण का भी प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनका यह प्रदर्शन अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत बना है। विद्यालय की प्रबंधक डॉ.श्रीमती स्वतंत्र मिश्रा ने सभी सफल विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष मालवीय ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों के निरंतर प्रयास, शिक्षकों की निष्ठा एवं अभिभावकों के सहयोग का संयुक्त परिणाम है। उन्होंने सभी का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय में शीघ्र ही एक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। विद्यालय परिवार को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर गर्व है तथा आशा है कि आने वाले वर्षों में भी विद्यार्थी इसी प्रकार सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

स्मार्ट मीटर व अघोषित कटौती को लेकर कांग्रेसियों का फूटा गुस्सा, सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

लालगंज। स्मार्ट मीटर के जरिए बिजली बिलों में भारी बढ़ोत्तरी से नाराज कांग्रेसियों ने गुरूवार को यहां भारी विरोध प्रदर्शन किया। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना तथा सांसद प्रमोद तिवारी के निर्देश पर जुटे कांग्रेसियों ने प्रीपेड स्मार्ट मीटर की व्यवस्था वापस लिये जाने की मांग को लेकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन भी एसडीएम को सौंपा। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी तथा सांसद प्रमोद तिवारी के प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी के संयुक्त नेतृत्व में कैम्प कार्यालय से भारी तादात में कांग्रेसियो का जत्था स्मार्ट मीटर के जरिए अवैध वसूली तथा अघोषित बिजली कटौती के विरोध में नारेबाजी करते रायबरेली प्रतापगढ़ नेशनल हाइवे के इन्दिरा चैक पर पहुंचा। यहां पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को माल्यार्पण करने के बाद कांग्रेसियों ने पार्क में धरना देकर स्मार्ट मीटर के जरिए बिलों में अनियमित उछाल को लेकर जमकर आक्रोश जताया। यहां प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी ने कहा कि स्मार्ट मीटर योजना से उपभोक्ताओं की जेब पर भारी बोझ पड़ रहा है। सांसद प्रतिनिधि भगवती प्रसाद तिवारी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के गरीब व कमजोर तबके के उपभोक्ताओं को भी सरकार जबरिया स्मार्ट मीटर थोप रही है। सभा की अध्यक्षता ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केडी मिश्र व संचालन मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। जोरदार हुए विरोध प्रदर्शन का संयोजन ब्लाक प्रमुख अमित सिंह पंकज व चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने किया। सभा में पूर्व प्रमुख रामकृपाल पासी, डॉ0 अमिताभ शुक्ल, जिला पंचायत सदस्य लालजी यादव, रघुनाथ सरोज, अशोकधर द्विवेदी, रविभूषण सिन्हा, आरपी वर्मा, मासूम हैदर ने भी स्मार्ट मीटर के जरिए बिलों में अचानक बढ़ोत्तरी पर जमकर आक्रोश जताया। इसके बाद प्रदर्शनकारियों का जत्था चैक से कालाकांकर रोड होते हुए तहसील परिसर पहुंचा। यहां सभागार पोर्टिको मे प्रदर्शनकारियों का तेवर देखकर एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा पहुंचे। एसडीएम ने प्रदर्शनकारियों को शान्त कराते हुए ज्ञापन शासन को भेजे जाने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर सिंटू मिश्र, शैलेन्द्र मिश्र, छोटे लाल सरोज, फूलचंद्र पाण्डेय, अभिनव शुक्ल, अतुल शुक्ला, देशराज यादव, कमलेश मिश्र, संजय पाल, चंदन पाण्डेय, श्रीराम पटेल, प्रीतेन्द्र ओझा, शैलेन्द्र चैबे, अर्जुन जायसवाल, पन्नेलाल पाल, जावेद खान, शबनम बानो, मो0 इसरार, मो0 मोकीम, श्रवण कुमार, मुरलीधर तिवारी, रवि सिंह आदि रहे।

न्यूज झरोखा

संग्रामगढ़ में एलएलबी कोर्स की मिली मान्यता, खुशी

प्रतापगढ़। कानून की पढ़ाई के लिए मेधावियों को संग्रामगढ़ स्थित पं0 सरयू प्रसाद तिवारी कालेज ऑफ लॉ में एलएलबी के पठन पाठन की सुविधा मुहैया हुई है। गुरूवार को इसकी जानकारी होने पर कालेज परिसर में खुशी का माहौल देखा गया। राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी एवं विधायक आराधना मिश्रा मोना के विशेष प्रयास से लॉ कालेज में बार काउन्सिल आफ इण्डिया ने इन्द्रा ग्रुप ऑफ इन्स्टीटयूशन्स के प्रस्ताव पर कालेज को त्रिवर्षीय एलएलबी पाठयक्रम की मान्यता प्रदान की है। सरयू इन्द्रा महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 प्रवीन सागर शुक्ल ने बताया कि इसी सत्र 2026-27 से प्रो0 राजेन्द्र सिंह रज्जू भइया विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त संग्रामगढ़ के लॉ कालेज में विधि स्नातक की कक्षाओं का संचालन शुरू होगा। वहीं एलएलबी की मान्यता को लेकर कालेज परिसर में खुशी का माहौल देखा गया। भारतीय विधिज्ञ परिषद के सहायक सचिव नलिन राज चतुर्वेदी ने बारह अप्रैल को जारी अधिसूचना में लॉ कालेज में कक्षाओं के संचालन किये जाने के निर्देश दिये हैं। एलएलबी कक्षाओं के शीघ्र संचालन को लेकर पूर्व प्रमुख पुष्पा देवी, जिपंस रघुनाथ सरोज, लालगंज संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अनिल महेश, आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, पूर्व प्रधानाचार्य भगवती प्रसाद तिवारी आदि ने विधायक आराधना मिश्रा मोना व सांसद प्रमोद तिवारी के इस प्रयास को विधिक शिक्षा के क्षेत्र में उच्चस्तरीय उपलब्धि कहा है।

संदिग्ध परिस्थिति में किशोरी लापता, अपहरण का मुकदमा दर्ज

पट्टी। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के जगदीशगढ़ गांव में मंगलवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब 14 वर्षीय किशोरी रहस्यमय परिस्थितियों में घर से लापता हो गई। परिजनों के मुताबिक, रात करीब 8 बजे तक घर में मौजूद रही किशोरी अचानक कहीं चली गई और फिर वापस नहीं लौटी। देर रात तक परिजनों ने आसपास के गांवों, रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल सका। घटना से चिंतित मां ने बुधवार को थाने पहुंचकर तहरीर दी। उन्होंने आशंका जताई कि उनकी बेटी पिछले कुछ समय से चोरी-छिपे किसी अज्ञात व्यक्ति से मोबाइल पर बातचीत करती थी, जिससे किसी अनहोनी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने देर शाम अज्ञात मोबाइल धारक के खिलाफ अपहरण समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अब कॉल डिटेल और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। इस संबंध में थानाध्यक्ष दिलीपपुर बलराम सिंह ने बताया कि किशोरी की सकुशल बरामदगी के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है, जो संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

ननिहाल जा रहे युवक पर दबंगों का हमला, लाठी-डंडों से पीटा

पट्टी। कोतवाली अंतर्गत शेषपुर अठगवां गांव निवासी युवक पर दबंगों द्वारा हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। ननिहाल जा रहे युवक को रास्ते में रोककर बेरहमी से पीटा गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। पीड़ित अनुराग पाण्डेय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपनी ब्रेजा कार से अपने ननिहाल महोखरी गांव जा रहा था, जहां उसके रिश्तेदार राजकुमार पाठक रहते हैं। आरोप है कि जैसे ही वह रास्ते में गांव के पास पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे पांच लोगों ने उसकी कार को जबरन रुकवा लिया। पीड़ित के अनुसार, आरोपियों ने उसे गाड़ी से बाहर खींच लिया और लात-घूंसे व लाठी-डंडों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उसके कपड़े फाड़ दिए और मारते-पीटते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के दौरान आसपास मौजूद कुछ लोगों ने बीच-बचाव कर किसी तरह उसे हमलावरों से छुड़ाया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में पीड़ित कोतवाली पट्टी पहुंचा और पांच लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की।इस संबंध में कोतवाल आनंदपाल सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो गई है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रकार की घटनाएं कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं, ऐसे में पुलिस को त्वरित और कठोर कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके।

50 हजार का इनामी बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार, दोनों पैरों में लगी गोली

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। थाना मानिकपुर पुलिस और स्वाट/सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई में हत्या व दुष्कर्म के मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त शुभम सोनकर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है। उसके कब्जे से अवैध पिस्टल और कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि वांछित इनामी अभियुक्त शुभम सोनकर अवैध असलहे के साथ करेंटी गंगा पुल होते हुए अपने अधिवक्ता से मिलने जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने ग्राम करेंटी तिराहे पर घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान संदिग्ध युवक को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें अभियुक्त घायल हो गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान शुभम सोनकर (21) निवासी पम्पापुर, थाना नवाबगंज के रूप में हुई है। उसके पास से 32 बोर की एक देशी पिस्टल, एक खोखा कारतूस और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि 27 अप्रैल को घटना के मुख्य बाल अपचारी को पकड़कर किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है, जबकि 28 अप्रैल को एक अन्य आरोपी विष्णु प्रकाश गौतम को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। तीसरे व मुख्य वांछित इनामी अभियुक्त शुभम सोनकर की गिरफ्तारी आज मुठभेड़ के बाद हुई।घायल आरोपी को प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी कालाकांकर भेजा गया, जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

चरित्र निर्माण के बूते युवा लोकतंत्र की मजबूती में दें योगदान : प्रो0 ओझा

लालगंज। नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर एवं विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरूवार को सहभागी लोकतंत्र-चुनौतियां एवं सम्भावनाएं पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री प्रो0 शिवाकांत ओझा एवं समाजसेवी चंद्रशेखर प्राण ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर किया। महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 संदीप कुमार मिश्र ने विषय का प्रतिपादन रखा। राजनीति शास्त्र के प्रो0 अमित सिंह ने कार्यशाला के उददेश्य पर प्रकाश डाला। छात्रा अनुष्का के मनमोहक सरस्वती वंदना व प्रभात तिवारी के स्वागत गान पर अतिथि मंत्रमुग्ध दिखे। अध्यक्षता करते हुए प्रदेश के पूर्व मंत्री प्रो0 शिवाकांत ओझा ने कहा कि देश के परिपक्व लोकतंत्र में हमें हर संभावनाओं व चुनौतियों से सावधान रहना होगा। प्रो0 ओझा ने भारतीय लोकतंत्र की खूबियों का वर्णन करते हुए युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सशक्त सहभागिता का आहवान किया। विशिष्ट वक्ता डॉ0 गंगाधर ने मूल कर्तव्य व मूल अधिकार की विशद व्याख्या प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संयोजन प्राचार्य डॉ0 अमित कुमार सिंह ने किया। संचालन हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ0 अम्बिकेश त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर डॉ0 ओपी द्विवेदी, डॉ0 आशुतोष शुक्ल, डॉ0 दुर्गेशचंद्र, डॉ0 अनीता त्रिपाठी, डॉ0 रोहिणी त्रिपाठी, मनोज पाल, अजय मिश्र, डॉ0 प्रकाश सिंह, डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह, डॉ0 रविकांत कौशल, संतोष प्रजापति आदि रहे।

हर्ष फायरिंग में युवक को घायल करने वाला आरोपी गिरफ्तार, पिस्टल व कारतूस बरामद

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जनपद के कुण्डा थाना क्षेत्र में शादी समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग कर एक व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त पिस्टल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, 29 अप्रैल को ग्राम जमेठी बंझोलिया निवासी वादी ने तहरीर देकर बताया कि उसकी पुत्री के विवाह कार्यक्रम में द्वारचार के दौरान आरोपी आनन्द शुक्ला ने पिस्टल से फायरिंग कर दी। इससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दूसरी बार फायरिंग में एक रिश्तेदार को गोली लग गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का उपचार प्रयागराज में चल रहा है। मामले में थाना कुण्डा में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था।पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी बृजनन्दन राय और क्षेत्राधिकारी कुण्डा अमरनाथ गुप्ता के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी मनोज कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को मवई बाइपास रोड स्थित करमअली का पुरवा जाने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान आनन्द शुक्ला (39), निवासी प्रेम नगर, कस्बा कुण्डा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से 7.62 बोर की एक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं।पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गोविन्द सिंह चैहान, उपनिरीक्षक मनोज राय सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मारपीट व तोड़फोड़ की घटना में डेढ़ दर्जन से अधिक आरोपियों पर केस

प्रतापगढ़। उदयपुर पुलिस ने रंजिशन मारपीट व तोडफोड की घटना में डेढ़ दर्जन से अधिक आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। थाना क्षेत्र के खानीपुर सूरजपुर निवासी धर्मदीप सिंह की पत्नी ममता ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती उन्तीस अप्रैल को विपक्षी गांव के श्रवण पुत्र रग्घू सरोज, रोहित पुत्र संजय, जितेन्द्र पुत्र शर्जन तथा सुजीत पुत्र अज्ञात व सूरज पुत्र रामचंद्र एवं दिलीप पुत्र अज्ञात तथा दस अन्य अज्ञात आरोपियों ने घर पर आकर गालीगलौज शुरू की। मना करने पर आरोपियों ने पीड़िता व उसके देवर राजदीप पुत्र धर्मराज सिंह, विनोद सिंह पुत्र हरिश्चंद्र, ओमप्रकाश पुत्र जगन्नाथ पर लाठी डंडे से हमला कर दिया। शोर मचाने पर आरोपियों द्वारा पीड़िता के घर मे लगे बिजली के तार केबिल व खम्भा व मोबाइल फोन को नुकसान पहुंचाया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने श्रवण समेत डेढ़ दर्जन से अधिक आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मायके जा रही महिला व पति से रास्ते में बाइक सवार दबंगों ने की बदसूलकी, पुलिस जांच में जुटी

बेलखरनाथ धाम। पति के साथ बाइक से मायके जा रही महिला के साथ बाइक सवार दबंग बदसूलकी करते हुए धक्का मुक्की करने लगे। मामले की शिकायत पति पत्नी ने पट्टी पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। पुलिस बाइक नंबर को ट्रेस करते हुए आरोपितों की तलाश कर रही है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला बुधवार को अपने पति के साथ पट्टी से अपने मायके जा रही थी। आरोप है कि इसी दौरान पीछे से एक बाइक पर दो दबंगों ने रास्ते में उन्हें कई बार ओवरटेक किया। महिला व उसके पति जब उडैयाडीह बाजार पहुंचे और आरोपितों से पीछा करने का कारण पूछा तो दोनों ने पति पत्नी के साथ बदसूलकी करते हुए धक्का मुक्की की और कहासुनी करने लगे। मामले में महिला व उसके पति ने आरोपित के बाइक की फोटो खींचकर मामले की शिकायत पट्टी कोतवाली में की है। इस संबंध में पूरेधना चैंकी इंचार्ज कमलेश कुमार ने बताया कि पति-पत्नी ने जिस बाइक का नंबर दिया है उसे ट्रेस कर लिया गया है आरोपितों की तलाश की जा रही है जल्द ही कारवाई की जाएगी।

सेवानिवृत्त वरिष्ठ केंद्र प्रभारी को समारोहपूर्वक दी गयी विदाई

लालगंज। स्थानीय रोडवेज परिवहन निगम डिपो परिसर में गुरूवार को सेवानिवृत्त वरिष्ठ केन्द्र प्रभारी सुनील कुमार सिंह को समारोहपूर्वक विदाई दी गयी। निगम के कर्मचारियों ने सेवानिवृत्त साथी को अंगवस्त्रम तथा माल्यार्पण कर सम्मानित किया। प्रारम्भ में बसन्त कुमार सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में कार्यशाला प्रभारी कमलेश कुमार यादव मुख्य अतिथि व वरिष्ठ केंद्र प्रभारी राजाराम सिंह विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता डिपो प्रभारी अविनाशचंद्र पाण्डेय व संचालन कनिष्ठ सहायक प्रभारी महेन्द्र प्रताप सिंह ने किया। सेवानिवृत्त वरिष्ठ केंद्र प्रभारी सुनील सिंह ने अपने कार्यकाल में स्थानीय लोगों व डिपो कर्मचारियों के सहयोग के प्रति आभार जताया। वक्ताओं ने सुनील सिंह की कर्तव्यनिष्ठा की सराहना भी की। संयोजन कर्मचारी संघ के कोषाध्यक्ष मो0 आसिफ खान ने किया। आभार प्रदर्शन अखिलेश सिंह द्वारा किया गया। इस मौके पर राजकुमार सिंह, चंद्रप्रकाश तिवारी मुन्ना, चिंतामणि त्रिपाठी, रवि मिश्रा, सुमन देवी, अरविंद पाण्डेय, उमाशंकर तिवारी, सुनील दुबे, मो0 हनीफ, प्रदीप सिंह, लाल बहादुर यादव, मो0 अजहर, संदीप तिवारी, मनोज सिंह, राजभान तिवारी आदि रहे।

कोविड वार्ड के भवन पर गिरा शीशम का पेड़

पट्टी। बुधवार की दोपहर आएं तेज आंधी तूफान व बरसात से जहां हाहाकार मच गया था वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ धाम के कोविड वार्ड पर एक शीशम का पेड़ गिरने से वार्ड की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई, गनीमत रही की उस दौरान कोई स्वास्थ्य कर्मी मौजूद नही था। पेड़ गिरने से प्रसव कक्ष की खिड़की के शीशा चकनाचूर हो गया। कोविड वार्ड के ही बगल लैब जांच केंद्र भी प्रभावित हो गया है, रास्ता पूरी तरह से बाधित होने से मरीजों की जांच में असुविधा हो रही है। सीएचसी के ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक लोकेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि कोविड वार्ड पर पेड़ गिरने से भवन की दिवार टूट गई है, जेसीबी मशीन से पेड़ हटवा कर स्वास्थ्य सेवा बहाल कर दी गई है। वही शीतलागंज मोड़ पर विशाल पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया मौके पर पहुचे वन विभाग के लोगों ने जेसीबी से खाली कराया वही ईलाके में कभी भी हवाओं के साथ बूंदाबांदी जारी है।

बिजली के तार पर गिरा नीम का पेड़, सप्लाई हुई बाधित

अखंड भारत संदेश

पट्टी। बुधवार की दोपहर में आए तेज तूफान के बाद एक नीम का पेड़ उखड़ कर पट्टी कोतवाली के समीप बिजली के तारों पर झुक गया है। जिसके चलते पट्टी कस्बे के आधे मोहल्ले में सप्लाई बाधित है। इतना ही नहीं अधिकतर सप्लाई केंद्र पर सप्लाई बाधित है। ऐसे में लोग जनरेटर के सहारे काम करने को मजबूर हैं। थाने व तहसील का काम भी प्रभावित हो रहा है। नीम का पेड़ उखड़ कर बिजली के तारों पर झूल रहा है। जिसके नीचे से आवागमन जारी है। लोग जान जोखिम में डालकर मुख्य मार्ग से गुजर रहे हैं। किसी समय तार टूटा और पेड़ नीचे गिरा तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इस संबंध में गुरुवार की दोपहर एसडीओ विद्युत अरुण यादव ने बताया कि मगरौरा करेला पट्टी ग्रामीण उड़ैयाडीह आदि विद्युत केदो पर सप्लाई बाधित थी। कई क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था बहाल कर दी गई है। कस्बे में बिजली के तार पर गिरे नीम के पेड़ को वन विभाग के सहयोग से हटाया जाएगा। इसके बाद ही सप्लाई चालू की जा सकती है।

चार आरोपियों के खिलाफ मारपीट व धमकी का केस

प्रतापगढ़। मारपीट व गालीगलौज तथा धमकी को लेकर लालगंज पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के मादामई पठान का पुरवा गांव निवासी मो0 युनुस पुत्र जब्बार ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती उन्तीस अप्रैल को दिन में तीन बजे वह अपने भाई मो0 लल्लन के घर गया था। इसी बीच गांव के आरोपी रौफ व बुद्धू पुत्रगण घिसन्न तथा दो महिलाओं ने गालीगलौज शुरू की। मना करने पर आरोपियों ने पीड़ित को लाठी डंडे से मारपीट कर चुटहिल कर दिया। बीचबचाव के लिए उसका भाई दौड़ा तो उसे भी मारपीट कर आरोपियों द्वारा घायल कर दिया गया। शोर मचाने पर आरोपियों द्वारा जानलेवा धमकी दी गयी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपी रौफ समेत चार के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कैच द रेन अभियान के तहत निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पट्टी। जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश के क्रम में ह्रजल शक्ति अभियान- कैच द रेनह्व थीम के अंतर्गत विद्यालय में जल संरक्षण विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाचार्य डॉ. प्रशस्त कुमार त्रिपाठी के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।इस प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया और जल संरक्षण के महत्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए।प्रतियोगिता में प्राजंलि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सचिन द्वितीय और अल्सिफा बानो तृतीय स्थान पर रहीं। प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि जल संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में जागरूकता बढ़ाने का प्रभावी माध्यम हैं। कार्यक्रम के अंत में विजेताओं को सम्मानित किया गया।

पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़क को 15 दिन के अंदर अधिशासी अभियंता, जल निगम को ठीक कराने के निर्देश

जिलाधिकारी ने ग्राम चौपाल लगाकर, सुनी ग्रामवासियों की समस्याएं

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने गुरुवार को गॉव की समस्या, गॉव में समाधान के अन्तर्गत विकास खण्ड सिराथू की ग्राम- उदहिन बुजुर्ग में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना एवं सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने ग्राम के लाभार्थियों से पुष्टाहार मिलने पेंशन, शौचालय का लाभ मिलने,राशन मिलने, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास आदि योजनाओं से लाभान्वित होने की जानकारी प्राप्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों से कहा कि छूटे हुए सभी पात्र लोगों को शीघ्र लाभान्वित कर दिया जाय। उनके द्वारा नजदीकी सामुदायिक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी प्राप्त करने पर ग्रामवासियों ने बताया गया कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रही हैं। उन्होंने ग्रामवासियों से पूछा कि विद्यालय में अध्यापक समय से आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य करते हैं या नहीं, जिस पर बताया गया कि अध्यापक समय से विद्यालय आते हैं एवं ठीक प्रकार से शिक्षण कार्य भी कर रहे हैं। उन्होंने जिला समाज कल्याण अधिकारी को विद्यालय का निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार प्रदान किया व बच्चों को अन्नप्राशन भी कराया। इसके साथ ही उन्होंने आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड भी प्रदान किया। मुख्य विकास अधिकारी ने ग्राम चौपाल में उपस्थित ग्राम वासियों से कहा कि अपने बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय एवं आंगनबाड़ी केंद्र में अवश्य भेजें।चौपाल में ग्रामवासियों ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान सड़क तोड़ दी गई है,जिसे अभी तक ठीक नहीं कराया गया है, जिस पर जिलाधिकारी ने सहायक अभियंता जल निगम से कहा कि 15 दिन के अंदर मानक के अनुरूप सड़क ठीक कराते हुए पेयजल आपूर्ति भी सुनिश्चित कराई जाय। चौपाल में ग्रामवासियों ने बताया कि विद्युत की कटौती हो रही है,जिस पर जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता विद्युत से कहा कि निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत 89 परिवारों को चिन्हित किया गया है, सभी पात्र लोगों को शीघ्र आवास योजना से लाभान्वित किया जाएगा। ग्राम चौपाल में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने ग्रामवासियों को विभागीय योजनाओं कार्यक्रमों की जानकारी देकर योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। जिलाधिकारी में पंचायत भवन में बनाए गए डिजिटल लाइब्रेरी का अवलोकन किया। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि वर्तमान में 28 बच्चे डिजिटल लाइब्रेरी में आकर अध्ययन कर रहे हैं इस अवसर पर प्रभारी उप जिलाधिकारी माज अख्तर एवं जिला विकास अधिकारी शैलेन व्यास सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भूमि विवाद मौके पर समाधान, बड़े कब्जा धारकों को वरदान और गरीबों के लिए अभियान

तहसील के अभिलेखों को गायब कर अभिलेखों में हेरा फेरी कर सरकारी जमीनों पर कराए गए हैं कब्जे

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। भूमि विवाद का मौके पर समाधान करने का योगी सरकार ने निर्देश दिया प्रत्येक दिन प्रत्येक तहसील के किसी ना किसी गांव में भूमि विवाद के मामले में तहसील प्रशासन से लेकर अपर जिला अधिकारी तक कायर्वाही कर रहे हैं सरकारी जमीनों को खाली कराया जा रहा है सरकारी जमीन पर बने भवन को अफसरों द्वारा जेसीबी मशीन और बुलडोजर से गिराया जा रहा है प्रशासन की यह कायर्वाही काबिले तारीफ है लेकिन इसमें बड़ा झोल दिखाई पड़ रहा है सरकारी जमीन में बड़े कब्जा धारको पर 20 दिन के बीच कायर्वाही नहीं हो रही है जिससे पूरी कार्रवाई सवालों के घेरे में है केवल जनपद मुख्यालय मंझनपुर की बात कर ली जाए तो दजर्नों सरकारी जमीन पर बड़े कब्जे हैं जिन पर एक भी कायर्वाही नहीं हुई है जिला पंचायत के मुख्य चौराहे पर जल जमाव की आठ बिस्वा जमीन अभिलेखों में दर्ज है और इस चौराहे पर 7 लाख रुपए फीट जमीन बिक रही है जिससे जमीन की कीमत 16 करोड़ लगभग है लेकिन 16 करोड़ की जल जमाव की सरकारी जमीन नहीं खाली हुई इसी चौराहे से थोड़ा सा आगे कोतवाली मंझनपुर के ठीक सामने तालाब बंजार ऊसर नवीन परती आदि मिलाकर साढ़े छह बीघा से अधिक सरकारी जमीन है जिसकी कीमत 20 करोड रुपए से अधिक है लेकिन इस सरकारी जमीन पर बने एक भी मकान नहीं खाली हुए हैं इसी सरकारी जमीन पर बहुमंजिले आलिशान मकान बने हुए हैं जिला पंचायत चौराहे से ओसा रोड पर कई बीघे सरकारी जमीन तालाब बंजर शत्रु संपत्ति है जिसकी कीमत 20 करोड से अधिक है जिस पर तमाम मकान बने हैं लेकिन एक भी मकान को प्रशासन ने खाली नहीं कराया है मंझनपुर खंड विकास अधिकारी कार्यालय और सहकारी समिति के सामने मरघट श्मशान की करोड़ों कीमत की सरकारी जमीन है जिस पर कब्जा हो चुके हैं लेकिन इस मरघट श्मशान की जमीन के कब्जे भी खाली नहीं कराए गए है मंझनपुर पावर हाउस के ठीक बगल में खलिहान की सरकारी जमीन दो बीघे लगभग है जिसकी कीमत 15 करोड़ है जिस पर भी लोगों के मकान बने हैं लेकिन खलिहान की जमीन नहीं खाली हुई मंझनपुर चौराहे से सिराथू रोड पर जिला पंचायत के बगल में पंचायत विभाग के पंचायत उद्योग के तहत माचिस फैक्ट्री की चार बीघे जमीन है यह जमीन सरकारी अभिलेखों में भी दर्ज है जो पूरी कब्जे में है इस जमीन की भी कीमत 50 करोड रुपए के आसपास है लेकिन 50 करोड रुपए कीमत के इस सरकारी जमीन के कब्जे को खाली कराने के प्रति प्रशासन गंभीर नहीं है जिससे प्रशासनिक कायर्वाही पर सवाल उठना स्वाभाविक है मंझनपुर चौराहे से तहसील रोड पर श्रीराम गेस्ट हाउस के पहले कई बीघे सरकारी जमीन कई करोड़ कीमत की है जिस पर कुछ वर्षों पहले मकान बन गए हैं जांच के नाम पर प्रशासनिक नाटक चलता रहा बाद में सरकारी जमीन पर कब्जा हो गया है इस जमीन को भी प्रशासनिक अधिकारियों ने खाली नहीं कराया है वशिष्ठ बालिका इंटर कॉलेज पाता के आसपास तालाब की कई बीघा जमीन पर भी कब्जा हो चुका है जिसकी कीमत कई करोड़ रुपए हैं इसके अलावा मंझनपुर मुख्यालय की तहसील के बगल के तालाब सहित एक दर्जन से अधिक तालाबों में कब्जा करने के बाद आलीशान पक्के मकान बना लिए गए हैं जिन पर कायर्वाही नहीं हो रही है मंझनपुर चौराहे के ओसा रोड पर ठीक चौराहे के पास पुरानी आबादी जो खाली पड़ी हुई थी यहां के लोग कस्बा छोड़कर के बाहर बस गए थे घर छोड़कर बाहर बसने वाले लोगों की जमीन को अभिलेखों में पुरानी आबादी के नाम से दर्ज कर दिया गया था 80 वर्षों तक जमीन खाली पड़ी थी कोई वारिश नहीं था लेकिन 15 वर्ष पहले पुरानी आबादी पर भी नए लोगों को कब्जा करा दिया गया है इसी तरह बाजार के अंदर जाने पर तहसील के पहले बड़े-बड़े तालाब हैं उन पर भी लोगों का कब्जा करवा दिया गया है इतना ही नहीं नाला की जमीन पर जगह जगह कब्जा हो गया और पक्के मकान बन गए नगर पालिका मंझनपुर के नए कार्यालय के सामने की सरकारी जमीन पर भी तहसील के जिम्मेदारों ने हीं कब्जा करवा दिया है और उस पर तमाम मकान बन गए हैं मंझनपुर के रोडवेज बस डिपो के आगे कुम्हार बस्ती के पास तिराहे की 15 बीघा सरकारी जमीन अभिलेखों में सरकारी संपत्ति दर्ज थी लेकिन इस 15 बीघे सरकारी जमीन में भी प्रशासनिक लापरवाही और संलिप्तता के चलते सरकारी अभिलेखों में हेरा फेरी करके कब्जा हो गया है इस 15 बीघा जमीन की वतर्मान कीमत डेढ़ सौ करोड़ से अधिक की है। मंझनपुर तहसील के मंझनपुर मुख्यालय की कीमती जमीन को कब्जा करने के लिए ही सरकारी नुमाइंदों ने तहसील के अभिलेखों को भी गायब कर दिया है अभिलेखों में हेरा फेरी कर सरकारी जमीनों पर कब्जे कराए गए हैं और उसके बाद मंझनपुर मुख्यालय के करोड़ों की सरकारी जमीन में कब्जे का खेल 15 वर्ष पहले शुरू हुआ तत्कालीन तहसील अधिकारियों के संरक्षण में लेखपालों ने सरकारी जमीन पर कब्जा करा दिया लेकिन शासन और अधिकारियों के निर्देश के बाद भी सरकारी जमीनों के कब्जे नहीं खाली हुए हैं जिससे प्रशासनिक कार्यवाही की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं कि गरीबों के मकान पर गांव की समस्या गांव में समाधान के तहत सरकारी जमीन खाली कराई जा रही है और करोड़ों की सरकारी जमीन पर कब्जा करने वाले माफिया पर प्रशासनिक कारर्वाई नहीं हो रही है माफियाओं को प्रशासन की ओर से वरदान मिला हुआ है यह तो मंझनपुर मुख्यालय की सरकारी जमीनों में कब्जे के कुछ उदाहरण है इसके अलावा तो मंझनपुर में सैकड़ो सरकारी जमीन पर कब्जा है प्रशासनिक अधिकारियों को भी जमीन कब्जे की जानकारी नहीं हो पा रही है यह तो केवल एक कस्बे का उदाहरण है इसी तरह जिले के अन्य कस्बे बाजार में भी तमाम सरकारी जमीनों पर कब्जे हैं गांव की सरकारी जमीनों पर बड़े-बड़े कब्जे हैं लेकिन छोटे-छोटे कब्जे पर कायर्वाही करके सरकार को सूचना भेज कर जहां सरकारी जमीन से कब्जा खाली करने की वाहवाही अधिकारी लूट रहे है वहीं बड़े कब्जा धारकों को अफसर वरदान दे रहे हैं।

न्यूज झरोखा

अझुवा में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, सर्विस रोड से हटाए गए ठेले-खोमचे

अझुवा कौशाम्बी आदर्श नगर पंचायत अझुवा में गुरुवार को प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर फैले अतिक्रमण के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। नगर पंचायत, एनएचआई और पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए सड़क किनारे लगे ठेले,खोमचे और अवैध कब्जों को हटवाया।यह अभियान सैनी कोतवाली प्रभारी त्रिलोकी नाथ पाण्डेय के नेतृत्व में चलाया गया,जिसमें चौकी प्रभारी अझुवा अनुराग सिंह अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। नगर पंचायत के लिपिक राजाराम और मनोज सहित एनएचआई की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को अंजाम दिया।कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा कि यदि दोबारा सर्विस रोड पर कब्जा किया गया तो सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कई स्थानों पर ठेले-खोमचे हटवाए गए,जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल भी देखने को मिला दरअसल,अझुवा हाईवे पर फ्लाईओवर,ओवरब्रिज या बायपास का निर्माण अब तक नही हो सका है,जिसके चलते यहां आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है और दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। स्थिति को और गंभीर बनाता है सर्विस रोड का बेहद संकरा होना– करीब 10 फुट चौड़ी इस सड़क पर स्थानीय दुकानदारों और ठेला चालकों द्वारा कब्जा कर लिया जाता है,जिससे राहगीरों और वाहनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है।हालांकि, स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पहले भी कई बार हो चुकी है,लेकिन कुछ ही दिनों में स्थिति फिर जस की तस हो जाती है।ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या यह अभियान स्थायी समाधान बन पाएगा या फिर यह भी केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा।फिलहाल, प्रशासन की इस कार्रवाई से कुछ हद तक राहत जरूर मिली है,लेकिन अब निगाहें इस बात पर टिकी है कि व्यवस्था को स्थायी रूप से कैसे सुधारा जाता है,ताकि आमजन को जाम और अव्यवस्था से निजात मिल सके।

थाना सैनी एवं कड़ाधाम अंतर्गत एसपी ने किया स्थलीय निरीक्षण दिए आवश्यक दिशा निर्देश

कौशांबी। थाना सैनी क्षेत्र अंतर्गत कछुआ एन एच 19 के समीप कल दिनांक 28.04.2026 को एक अज्ञात महिला का शव खेत में मिला था शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं एवं जांच की जा रही है।थाना कड़ा धाम क्षेत्र के नौढिया गांव के पास एक युवक से अज्ञात बाइक सवार द्वारा उसका मोबाइल छीन ले जाने की घटना के संबंध में तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत हुआ तथा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।उक्त दोनों घटनाओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा घटनास्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया एवं संबंधित अधिकारियों कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए है।जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा घटनाओं के शीघ्र अनावरण हेतु पुलिस द्वारा प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जा रही है।

पुलिस कार्यालय से सेवानिवृत्त पुलिस कर्मियों की हुई सम्मानपूर्ण विदाई

कौशांबी। उत्तर प्रदेश पुलिस में अपनी दीर्घ कालिक निष्ठापूर्ण एवं अनुकरणीय सेवाएँ प्रदान कर सेवानिवृत्त हो रहें। पुलिस कर्मियों के सम्मान में पुलिस कार्यालय में एक गरिमामय विदाई समारोह का आयोजन हुआ कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा की गई। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक द्वारा सेवानिवृत्त हो रहे सभी पुलिसकर्मियों को पुष्पमाला पहनाकर,अंगवस्त्र भेंट कर एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए उनके द्वारा विभाग को दी गई उत्कृष्ट सेवाओं की सराहना की गई । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति सेवा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है,जो वर्षों की मेहनत,कर्तव्यनिष्ठा एवं अनुशासन का प्रतीक है उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मियों के उज्ज्वल,स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की कामना करते हुए उनके अनुभवों को विभाग के लिए प्रेरणास्रोत बताया।विदाई समारोह के दौरान क्षेत्राधिकारी मंझनपुर, क्षेत्राधिकारी कौशाम्बी व प्रतिसार निरीक्षक कौशाम्बी सहित पुलिस कार्यालय अधिकारी कमर्चारी एवं सेवानिवृत्त हो रहे पुलिस अधिकारियों कमर्चारियों के परिवारीजन उपस्थित रहे । सेवानिवृत्त कर्मियों के साथ अपने कार्यकाल के अनुभव साझा किए एवं उनके योगदान की सराहना की गयी। उ0नि0 (लेखा) धीरेन्द्र प्रसाद सिंह वा उ0नि0 ना0पु0 मान सिंह 30 अप्रैल को सम्मानपूर्वक सेवानिवृत्त हुए हैं।

संचारी रोग वाद विवाद प्रतियोगिता बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा पोस्टर स्लोगन से किया जागरूक

कोखराज कौशांबी सिराथू तहसील क्षेत्र के राजकीय हाई स्कूल राला में दिनांक 28, 29 व 30 अप्रैल को संचारी रोग नियंत्रण अभियान के अंतर्गत वाद विवाद प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता,स्लोगन प्रतियोगिता एवं शपथ ग्रहण कराया गया। बुखार के कारण क्या है, बुखार होने पर क्या करें क्या न करें के विषय में जागरूकता सहित शौचालय प्रयोग व स्वच्छ पानी पीने के बारे में बताया गया।शिक्षक 30 अप्रैल तक स्कूल में प्रार्थना के दौरान बच्चों को संचारी रोग नियंत्रण दस्तक अभियान के बारे में बताएंगे। आसपास साफ सफाई, जल जमाव न हो मच्छरदानी का प्रयोग करें,पूरे आस्तीन के कपड़े पहने व शौच के बाद तथा खाना खाने के पहले साबुन से हाथ धोने की जानकारी दी गई। साथ ही स्कूल में वाद विवाद प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता व निबंध लेखन के माध्यम से बच्चों को जागरूक किया गया। संचारी रोग नियंत्रण जैसे डेंगू, मलेरिया, दिमागी बुखार हेतु स्कूलों में वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जो दस्तक अभियान का हिस्सा हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रधानाचार्या डॉ प्रतिभा रानी शर्मा,श्रीमती शोभा,श्रीमती अचर्नी मौर्य,श्रीमती विजया कुमारी,श्रीमती अचर्नी व अभिभावकों की मौजूदगी में सम्पन्न हुआ।

नाबालिग बालिका को भगा ले जाने वाले अभियुक्त को 03 वर्ष कठोर कारावास एवं 5000/- रुपये अर्थदण्ड की सजा

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र में 04 अगस्त 2019 को नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर आरोपी गोलू उर्फ लालता भगा ले गया था तहरीर के आधार पर थाना पर मु0अ0सं0 152/2019 धारा 363/366 भादवि व 7/8 पॉक्सो एक्ट पंजीकृत हुआ था जिसमें विवेचना के उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ जिससे सम्बन्धित अभियुक्त गोलू उर्फ लालता पुत्र स्व0 रोशन लाल निवासी पकसराई थाना चरवा के मुकदमा की सुनवाई के दौरान आरोपी अपराध का दोषी पाया गया दिनांक 30.04.2026 को न्यायालय स्पे0 जज पॉक्सो कोर्ट जनपद कौशाम्बी ने अभियुक्त को 03 वर्ष कठोर कारावास व 5000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

व्यवस्था से पीड़ित अधेड़ ने डीजल डाल कर लगा ली आग गंभीर झुलसा

हरायपुर कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के पट्टी परवेजा बाद बड़े गांव का एक अधेड़ व्यवस्था से पीड़ित था जिसके चलते उसने अपनी जिंदगी समाप्त करने का निर्णय लिया और गुरुवार की शाम को उसने अपने शरीर पर डीजल डालकर आग लगा लिया है ऑटो वाहन से उसने डीजल निकाल कर शरीर में डाला है जिससे अधेड़ जलने लगा अधेड़ के शरीर में आग लगने के बाद गांव के सैकड़ो लोगों की मौके पर भीड़ लग गई मौके पर पहुंचे लोगों ने आग बुझा कर अधेड़ को बचाने का प्रयास किया शरीर में लगी आग तो बुझा दिया लेकिन युवक गंभीर तरीके से झुलस गया है पूरे शरीर में बड़े-बड़े फफोले पड़ गए हैं शरीर की चमड़ी जलकर उतर गई है मामले की सूचना मूरतगंज चौकी पुलिस और एंबुलेंस को दी गई झुलसे अधेड़ को इलाज के लिए अस्पताल में भती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर है अधेड़ की पहचान मस्ताना उम्र 55 वर्ष पुत्र नन्हे निवासी पट्टी परवेजा बाद बड़े गांव थाना संदीपन घाट के रूप में हुई है अधेड़ के पेट्रोल डालकर आग लगाने के बाद गांव में तरह-तरह की चर्चाएं हैं कुछ लोगों का कहना है कि गांजा अधिक पीता था और नशे के चलते उसने मस्ती में आग लगा ली है अधेड़ के दो लड़की और छह लड़के हैं जिनका रो-रोकर हाल बुरा है

एसपी ने की जनसुनवाई में समस्याओं को सुना एवं समाधान हेतु दिए दिशा निर्देश

कौशांबी। पुलिस कार्यालय कौशाम्बी में पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा दिनांक 30.04.2026 को आमजनमानस की समस्याओं के प्रभावी निस्तारण हेतु जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए, जिन्हें पुलिस अधीक्षक द्वारा अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना गया मामलों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक ने संबंधित थाना प्रभारियों एवं शाखा प्रभारियों को मौके पर जाकर त्वरित और निष्पक्ष जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिकायतों का निस्तारण केवल कागजी न होकर गुणवत्तापूर्ण होना चाहिए,जिससे पीड़ित व्यक्ति को वास्तविक न्याय और राहत मिल सके। सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत को समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाए।

अझुवा में महिला पदयात्रा बनी जन आक्रोश की आवाज

चेयरमैन शान्ति देवी कुशवाहा ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों की रक्षा में किसी भी प्रकार का अत्याचार अब बर्दाश्त नही किया जाएगा

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा में गुरुवार को महिला सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे को लेकर एक भव्य जन आक्रोश महिला पद यात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा वार्ड नंबर 12 नयानगर स्थित चेयरमैन शांति देवी कुशवाहा के आवास से शुरू होकर टेंडरी तिराहा,सब्जी मंडी और शायरी माता तिराहा होते हुए पुनः चेयरमैन आवास पर संपन्न हुई।पदयात्रा में महिलाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। हाथों में तख्तियां और नारों के साथ महिलाएं पूरे जोश के साथ सड़कों पर उतरीं और एक स्वर में संदेश दिया कि महिला शक्ति का अपमान अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पूरे मार्ग में नारी सम्मान,देश का अभिमान महिलाओं के अधिकारों पर वार सपा कांग्रेस है जिम्मेदार।जैसे नारों से वातावरण गूंज उठा।अखिलेश यादव मुर्दाबाद,राहुल गांधी मुर्दाबाद के नारे लगते रहे हैं।इस आयोजन का नेतृत्व स्वयं चेयरमैन शांति देवी कुशवाहा ने किया। उनके साथ कुमुद त्रिपाठी, अचर्नी चौरसिया सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। इसके अलावा चेयरमैन प्रतिनिधि ओमप्रकाश कुशवाहा, सभासद रामबाबू मोदनवाल, फुलचंद्र केसरवानी, नामित सभासद मिथलेश केसरवानी करन सिंह एवं भाजपा के कई पदाधिकारी भी इस जन आंदोलन में सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क नजर आया। थाना प्रभारी सैनी त्रिलोकी नाथ पाण्डेय और चौकी इंचार्ज अनुराग सिंह अपनी टीम के साथ पूरे मार्ग में मौजूद रहे,जिससे पदयात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सकी।पदयात्रा के समापन पर चेयरमैन शांति देवी कुशवाहा ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा,सम्मान और अधिकारों की रक्षा समाज की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार का अत्याचार अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इसके खिलाफ जन जागरूकता ऐसे ही अभियान के माध्यम से लगातार चलती रहेगी।

2 वर्ष पहले हुए रेप का दर्ज हुआ मुकदमा अभियुक्त को किया गिरफ्तार

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र की एक युवती द्वारा 27 अप्रैल 2026 को थाना पर सूचना दी गयी कि संदीप कुमार द्वारा 02 वर्ष पूर्व मुझे नशीला पदार्थ खिलाकर मेरे साथ गलत काम किया गया और वीडियो बनाकर मुझे ब्लैकमेल करने लगा । दिनांक 23.04.2026 को फिर से गतल काम किया और मेरे साथ मारपीट एवं जान से मारने की धमकी दी तहरीर के आधार पर थाना करारी पर मु0अ0सं0 102/26 धारा 64 (1)/ 115 (2) / 352/351(3) बीएनएस पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में दिनांक 30.04.2026 को थाना करारी पुलिस ने वांछित अभियुक्त संदीप कुमार पुत्र मुंशीलाल निवासी ग्राम अंधावा थाना महेवाघाट को गिरफ्तार किया है विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है रेप के इस गंभीर मामले में तमाम झोल है।

3 महीना पहले जानलेवा हमले के 02 बाल अपचारी को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया

कौशांबी। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के पल्हाना गांव मे दिनांक 26.01.2026 को क्रिकेट खेलने के दौरान 02 लड़कों द्वारा लाठी-डण्डों व रॉड से पीट-पीटकर संतोष कुमार के लड़के को घायल कर दिया एवं पुल से नीचे धक्का दे दिया जिससे उसके दोनों पैर फैक्चर हो गये तथा जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए भाग गये थाना संदीपनघाट पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत हुआ उपरोक्त क्रम में दिनांक 30.04.2026 थाना संदीपनघाट पुलिस टीम द्वारा विवेचना के क्रम में मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 02 बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया है।

दुर्घटना में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

नेवादा कौशांबी पिपरी थाना क्षेत्र में तीन माह पहले हुए सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो जाने से परिवार में शोक का माहौल है। पिपरी थाना क्षेत्र के बिन्दा लिसोड़ा मोड़ के पास तीन महीने पहले एक ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया था।इस ऑटो में सवार सिंहपुर गांव निवासी चन्द्रमा उर्फ नत्थू उम्र 50 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना के बाद इलाज के लिए उन्हें एक निजी अस्पताल में भती कराया गया,जहां उनका लगातार इलाज चल रहा था। परिजनों के मुताबिक मंगलवार को अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई और इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वही,गांव में भी शोक की लहर दौड़ गई है।

उर्वरक, कृषि रसायनिक दवाओं एवं बीज की निर्धारित कीमत से अधिक कीमत पर विक्रय न किया जाए : सीडीओ

कौशांबी। मुख्य विकास अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने सरस हाल सभागार में गुरुवार को कृषि एवं सम्बन्धित अन्य विभागों तथा जनपद के उर्वरक विक्रेताओं व सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की मुख्य विकास अधिकारी ने सहकारिता विभाग,जिला कृषि अधिकारी तथा जनपद में संचालित समस्त उर्वरक,बीज व कीटनाशक दवाओं के विक्रेताओं को निर्देशित किया कि उर्वरक,कृषि रसायनिक दवाओं एवं बीज की निर्धारित कीमत से अधिक कीमत पर विक्रय न किया जाय।शासन द्वारा निर्धारित कीमत पर ही विक्रय करें तथा उर्वरक के साथ किसान की मर्जी के बिना दूसरी वस्तु का विक्रय (टैगिंग) न की जाय। यदि उर्वरक की कालाबाजारी अथवा निर्धारित कीमत से अधिक कीमत पर उर्वरक विक्रय किये जाने की,किसी भी प्रकार से कृषकों द्वारा फर्मों या विक्रेताओं की शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित उर्वरक विक्रेता का लाइसेन्स निरस्त कर सम्बन्धित थानों में प्राथमिकी दर्ज करा दी जायेगी। मुख्य विकास अधिकारी ने थोक उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि अन्य जनपदों में उर्वरक का विक्रय कदापि न करें। उन्होंने उर्वरक,बीज एवं रसायनिक विक्रेताओं तथा सहकारी समितियों को निर्देशित किया कि जनपद में उर्वरक,उन्ही कृषकों को दिया जाये, जिन्होंने फार्मर रजिस्ट्री करवा लिया है। बिना फार्मर रजिस्ट्री के उर्वरक प्राप्त करने में कृषकों को कठिनाई

मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के उर्वरक विक्रेताओं व सहकारी समितियों के पदाधिकारियों के साथ की बैठक

हो सकती है। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद के समस्त कृषकों से अपील की है कि वे अपना फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करवायें,इसके लिए सहकारी समितियों को निर्देशित किया कि उनके संस्थाओं में पंजीकृत समस्त कषकों की फार्मर रजिस्ट्री करवाना सुनिश्चित करें एवं अपने केन्द्र पर फार्मर रजिस्ट्री करवाने की व्यवस्था सुनिश्चित कर एक सप्ताह के भीतर सभी की फार्मर रजिस्ट्री करवा लें। उन्होंने उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित किया कि वे अपने प्रतिष्ठानों पर उर्वरक व अन्य उत्पादों का रेट बोर्ड लगायें तथा साथ में यह भी लिखें कि उर्वरक के साथ अन्य उत्पादों को लिया जाना जरूरी नही है। कृषकों का नाम, पता,मोबाइल नम्बर,फार्मर रजिस्ट्री आई०डी० संख्या का अंकन के लिए रजिस्टर एवं स्टॉक रजिस्टर, लाइसेन्स इत्यादि अपने दुकानों पर अवश्य रखें,जिसकी जॉच जनपद एवं तहसील स्तरीय कमेटी द्वारा किया जायेगा।फार्मर रजिस्ट्री करवाने के लिए जागरूकता बैनर अपने-अपने दुकानों पर अवश्य लगायें मुख्य विकास अधिकारी ने उप कृषि निदेशक सतेन्द्र कुमार तिवारी,मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सिंचाई, कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं यूपीडास्प,जिला कृषि अधिकारी, सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता, भूमि संरक्षण अधिकारी,एलडीएम तथा मत्स्य विभाग एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया कि मॉडल ग्राम गोविन्दपुर विकासखण्ड नेवादा में अपने-अपने विभागों में संचालित योजनाओं से आच्छादित कराये जाने के लिए सत्यापन कार्य एक सप्ताह के भीतर करवा लिया जाए,ताकि मानक के अनुसार मॉडल ग्राम का विकास कराया जा सके। इसके लिए कृषि,पशुपालन, मत्स्य पालन,औद्यानिक एवं जैविक खेती करने वाले कृषकों को चिन्हित कर उनकी आवश्यकता अनुसार व पात्रता के शर्तों के आधार पर नियमानुसार प्रशिक्षण एवं कृषकों का चयन कर लाभान्वित कराये जाने के निर्देश दिए।

सम्पादकीय

बंगालः मताधिकार पर डाका या जनतंत्र का अपहरण!

याद रहे कि मतदाताओं के ऐसे ही बहिष्करण की आशंकाओं को लेकर, अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने, सर की पूरी प्रक्रिया को ही चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस चुनौती में अन्य चीजों के अलावा सर की प्रक्रिया में ढांचागत रूप से ही, मतदाता सूचियों को अद्यतन बनाने के बजाए, एक प्रकार से नये सिरे से मतदाता रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बना देने और उसके लिए नागरिकता परीक्षण को शर्त बना देने को चुनौती दी गयी थी, क्योंकि यह सभी संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।

पिछले साल के शुरू में जब बिहार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण उर्फ सर की प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी जनतंत्र की तथा आम जनता के अधिकारों की चिंता करने वाले अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने और इनमें विपक्षी राजनीतिक पार्टियां भी शामिल थीं, देश को आगाह किया था कि जिस तरह से इस प्रक्रिया को गढ़ा गया था और विधानसभाई चुनाव से पहले पूरा करने की जल्दबाजी में और इकतरफा फैसलों के जरिए जिस तरह संचालित किया जा रहा था, वह बड़ी तादाद में लोगों को मताधिकार से वंचित करने का ही साधन बनेगा। इसमें गरीब-गुरबा, सामाजिक रूप से कमजोर, अशिक्षित या कम शिक्षित लोगों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के मताधिकार के लिए खतरे की ओर खासतौर पर ध्यान खींचा गया था।

उसके करीब एक साल बाद, जबकि देश के बड़े हिस्से में, जिसमें विधानसभा चुनाव के मौजूदा चक्र में शामिल राज्य खासतौर पर शामिल हैं और 2024 के आम चुनाव के बाद, सामान्य रूप से अपडेट की गयी मतदाता सूचियों के अनुसार देश के करीब 60 करोड़ मतदाता आते थे, मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के नाम पर करीब 6 करोड़ यानी कुल 10 फीसदी मतदाताओं की छंटनी कर दी गयी है। इस पूरी कसरत का मकसद ही मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के बजाए, मतदाताओं के खासे बड़े हिस्से का बहिष्करण ही होने और देश के वर्तमान सत्ताधिकारियों के राजनीतिक फायदे के लिए मतदाताओं के चुनिंदा हिस्सा का बहिष्करण होने में अगर किसी को संदेह रहा भी होगा तो, पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के जरिए जिस तरह से 35 लाख लोगों को कम से कम मौजूदा चुनाव में तो मताधिकार से वंचित कर ही दिया गया है, उससे दूर हो जाना चाहिए। जाहिर है कि सर प्रक्रिया के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा लाखों लोगों का मताधिकार छीने जाने की वंचना, सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से कम नहीं हो जाती है कि वे अगले चुनावों के लिए मतदाता सूची में अपनी जगह बनाए रखने के लिए प्रयास जारी रख सकते हैं! याद रहे कि मतदाताओं के ऐसे ही बहिष्करण की आशंकाओं को लेकर, अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने, सर की पूरी प्रक्रिया को ही चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस चुनौती में अन्य चीजों के अलावा सर की प्रक्रिया में ढांचागत रूप से ही, मतदाता सूचियों को अद्यतन बनाने के बजाए, एक प्रकार से नये सिरे से मतदाता रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बना देने और उसके लिए नागरिकता परीक्षण को शर्त बना देने को चुनौती दी गयी थी, क्योंकि यह सभी संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।

भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौते का वैश्विक अर्थ

-ललित गर्ग-

वैश्विक परिदृश्य इन दिनों युद्ध की अनिश्चितताओं, तनावों और भू-राजनीतिक खींचतान से भरा हुआ है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और महाशक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा ने विश्व अर्थव्यवस्था के सामने कई प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। ऐसे समय में भारत और न्यूजीलैंड के बीच 27 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) केवल एक द्विपक्षीय आर्थिक दस्तावेज नहीं, बल्कि वैश्विक निराशा के बीच आशा का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा है। यह समझौता उस विश्वास को पुनर्जीवित करता है कि सहयोग, संवाद और साझेदारी ही भविष्य की स्थायी समृद्धि का मार्ग हैं। यह समझौता कई दृष्टियों से ऐतिहासिक है। सबसे पहले, इसे मात्र नौ महीनों में अंतिम रूप दिया जाना अपने आप में एक उपलब्धि है, जो दोनों देशों की प्रतिबद्धता और व्यावहारिक कूटनीति को दर्शाता है। दूसरी ओर, यह समझौता ऐसे समय में हुआ है जब विश्व व्यापार व्यवस्था में बहुपक्षीय संस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठ रहे हैं और देश तेजी से द्विपक्षीय या क्षेत्रीय समझौतों की ओर अग्रसर हो रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन की धीमी गति और जटिलताओं के बीच यह समझौता एक नई दिशा का संकेत देता है, जहां लचीले और उद्देश्यपरक समझौते अधिक प्रभावी साबित हो रहे हैं। इस समझौते की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है कि न्यूजीलैंड द्वारा भारतीय निर्यातकों को लगभग सभी उत्पादों पर शुल्क-मुक्त बाजार पहुंच प्रदान करना। यह भारतीय उद्योग, विशेषकर श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए एक स्वर्णिम अवसर है। कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग वस्तुएं और प्लास्टिक उत्पाद जैसे क्षेत्रों को इससे अभूतपूर्व बढ़ावा मिलेगा। इससे न केवल निर्यात बढ़ेगा, बल्कि भारत में रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था, जो पहले से ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही है, इस समझौते के माध्यम से और अधिक सशक्त होगी। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता नई संभावनाओं के द्वार खोलता है। अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड द्वारा भारत में 20 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि विश्वास का प्रतीक है। यह निवेश बुनियादी ढांचे, कृषि, तकनीक और सेवा क्षेत्रों में नई ऊर्जा का संचार करेगा। जब कोई विकसित देश किसी उभरती अर्थव्यवस्था में इस स्तर का निवेश करता है, तो यह अन्य वैश्विक निवेशकों के लिए भी सकारात्मक संकेत होता है। इस प्रकार यह समझौता एक ह्यट्रिगर पॉइंटह्ल के रूप में कार्य कर सकता है, जिससे भारत में विदेशी निवेश की नई लहर उत्पन्न हो। सेवा क्षेत्र के दृष्टिकोण से यह समझौता और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाएं, पर्यटन और आयुष जैसे क्षेत्रों में सहयोग से दोनों देशों को लाभ होगा। भारतीय पेशेवरों के लिए न्यूजीलैंड में काम करने के अवसरों का विस्तार, विशेष रूप से हर वर्ष हजारों कार्य वीजा की सुविधा, वैश्विक प्रतिभा प्रवाह को नई दिशा देगा। यह न केवल आर्थिक, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करेगा।

इस समझौते का एक और महत्वपूर्ण पहलू है कृषि सहयोग। न्यूजीलैंड अपनी उन्नत कृषि तकनीकों और उच्च उत्पादकता के लिए जाना जाता है, जबकि भारत के पास विशाल भूमि और विविध जलवायु है। दोनों देशों के बीच सहयोग से कीवी, सेब, शहद और अन्य उत्पादों के क्षेत्र में नई संभावनाएं विकसित हो सकती हैं। इससे भारतीय किसानों को आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और वैश्विक बाजार तक पहुंच मिलेगी। साथ ही, यह भी उल्लेखनीय है कि भारत ने अपने डेयरी और संवेदनशील कृषि क्षेत्रों की सुरक्षा सुनिश्चित की है, जो इस समझौते की संतुलित प्रकृति को दर्शाता है। वैश्विक दृष्टि से देखें तो यह समझौता उस समय आया है जब दुनिया व्यापार के नए मॉडल तलाश रही है। एक समय था जब वैश्विक व्यापार मुख्यतः केंद्रीकृत संस्थाओं के माध्यम से संचालित होता था, लेकिन अब देश अपने-अपने हितों के अनुसार लचीले और त्वरित समझौते कर रहे हैं। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में कई महत्वपूर्ण व्यापार समझौते किए हैं, जो उसकी सक्रिय आर्थिक कूटनीति का प्रमाण हैं। यह समझौता भी उसी श्रृंखला की एक महत्वपूर्ण कड़ी है, जो भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला में और गहराई से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस समझौते को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कारीगरों और उद्यमियों के लिए लाभकारी बताना केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि इसकी व्यापक सामाजिक-आर्थिक संभावनाओं का संकेत है। यह समझौता समावेशी विकास की अवधारणा को भी सुदृढ़ करता है, जहां आर्थिक प्रगति का लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचता है। इस समझौते का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी है कि भारत अब किसी एक देश या क्षेत्र पर निर्भर रहने की नीति से आगे बढ़ रहा है। विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में हो रही देरी के बीच भारत का यह कदम उसकी रणनीतिक स्वतंत्रता और बहुविकल्पीय दृष्टिकोण को दर्शाता है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपने लिए नए बाजारों और साझेदारों की तलाश में सक्रिय है, जिससे उसकी आर्थिक स्थिरता और मजबूती बनी रहे। हालांकि, इस समझौते के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार होना होगा। गुणवत्ता, नवाचार और लागत-प्रभावशीलता के क्षेत्र में सुधार आवश्यक होगा। साथ ही, सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस समझौते के लाभ व्यापक रूप से वितरित हों और छोटे तथा मध्यम उद्यम भी इसका पूरा लाभ उठा सकें। इसके बावजूद, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत-न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में एक सकारात्मक और प्रेरणादायक पहल है। यह न केवल दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाई देगा, बल्कि वैश्विक व्यापार व्यवस्था में भी एक नई ऊर्जा का संचार करेगा। यह समझौता उस दिशा में एक कदम है, जहां प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सहयोग भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे भारत के लिए न्यूजीलैंड के साथ हुआ मुक्त व्यापार समझौता केवल एक आर्थिक करार नहीं, बल्कि एक रणनीतिक छलांग के रूप में देखा जाना चाहिए। यह समझौता भारत की व्यापारिक सक्रियता, निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार में उसकी विश्वसनीयता को नई ऊँचाइयों तक ले जाने की क्षमता रखता है। इससे भारतीय उद्योगों, विशेषकर एमएसएमई, कृषि और सेवा क्षेत्रों को नया विस्तार मिलेगा और भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक सशक्त उपस्थिति दर्ज कर सकेगा। इस प्रकार के समझौते यह संकेत देते हैं कि भारत अब केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक नेतृत्व की ओर बढ़ता हुआ एक निर्णायक शक्ति केंद्र बन रहा है। वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने के लक्ष्य को सामने रखते हुए, ऐसे मुक्त व्यापार समझौते भारत के उज्ज्वल भविष्य के संकेतक प्रतीत होते हैं। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जिस प्रकार बहुआयामी विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वह उसे एक सशक्त, प्रभावशाली और नेतृत्वकारी राष्ट्र के रूप में स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करता है। ये समझौते केवल आर्थिक समृद्धि के साधन नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक भूमिका निभाने के लिए तैयार करने वाले उपकरण भी हैं। स्पष्ट है कि आने वाला समय भारत के लिए अवसरों से भरा हुआ है, जहां यह देश न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से भी विश्व में अपनी अग्रणी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

निश्चिततौर पर यह समझौता केवल व्यापार और निवेश तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें आर्थिक प्रगति, सामाजिक समावेशन और वैश्विक सहयोग का समन्वय है। युद्ध और तनाव के इस दौर में यह समझौता एक संदेश देता है कि शांति, साझेदारी और परस्पर विश्वास ही वह आधार हैं, जिन पर भविष्य की समृद्ध दुनिया का निर्माण संभव है। भारत के लिए यह समझौता न केवल आर्थिक अवसरों के नए द्वार खोलता है, बल्कि उसे एक जिम्मेदार और दूरदर्शी वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित भी करता है।

रफ्तार का कहर और स्वास्थ्य व्यवस्था की नाकामी, सड़क हादसे में तीन गंभीर, ट्रामा सेंटर बना दर्शक

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर।तेज रफ्तार का खामियाजा एक बार फिर लोगों को भुगतना पड़ा, जब जनपद के थाना कोतवाली मुहम्मदाबाद अंतर्गत फिरोजपुर क्षेत्र में डीसीएम और बाइक की आमने-सामने भीषण टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आसपास के लोग सहम उठे। हादसे के तुरंत बाद डीसीएम चालक वाहन समेत फरार हो गया, जिससे आक्रोश और बढ़ गया। बाइक चालक वाराणसी से अपने घर आदिलाबाद आ रहा था और पीक अप मुहम्मदाबाद से गाजीपुर की तरफ जा रही थी।

घायलों की पहचान संजय कुमार पुत्र मगदल रावत (35), उनकी बहन बबली रावत पुत्री सोनु (15) और मां सनप्यारी देवी पत्नी मगदल (60) के रूप में हुई है, जो आदिलाबाद (मोहम्मदाबाद) के निवासी हैं। मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने मानवीयता दिखाते हुए तीनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन वहां सीमित संसाधनों के चलते सिर्फ प्राथमिक उपचार ही संभव हो सका। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल, गाजीपुर रेफर कर दिया।

यह घटना केवल एक सड़क दुर्घटना तक सीमित नहीं रही, बल्कि मोहम्मदाबाद की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था की हकीकत भी उजागर कर गई। नगर में बना ट्रामा सेंटर, जिसे 24 घंटे आपातकालीन सेवाओं के लिए स्थापित किया गया था, जमीनी हकीकत में लगभग निष्क्रिय साबित हो रहा है। डॉक्टरों की कमी और जरूरी सुविधाओं के अभाव में गंभीर मरीजों को दूसरे अस्पतालों में भेजना मजबूरी बन गया है। स्थानीय लोगों में इस स्थिति को लेकर गहरा रोष है। उनका कहना है कि यदि ट्रामा सेंटर पूरी क्षमता से काम करता, तो ऐसे कई मामलों में समय पर इलाज मिल सकता था और जान बचाई जा सकती थी।

प्रधानी चुनाव की रंजिश में पीट-पीटकर हत्या, मुकदमा दर्ज

सुलतानपुर। शिवगढ़ कोतवाली क्षेत्र के भीटौरा गांव में ग्राम प्रधान के खिलाफ चल रही शिकायत की जांच की रंजिश में 28 वर्षीय युवक जसवंत सिंह की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। शाम को बाजार से घर लौटते समय दबंगों ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों व कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाए गए जसवंत को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया,लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। वारदात के बाद गांव में तनाव व्याप्त है।मृतक के भाई बलवंत सिंह के मुताबिक,जसवंत सिंह शिवगढ़ बाजार से सब्जी लेकर बाइक से घर लौट रहे थे।भटौरा इंटर कॉलेज के पास शंकर यादव के घर के सामने पहले से घात लगाए हमलावरों ने उनकी बाइक रुकवा ली।आरोप है कि नीचे गिराकर लाठी,डंडों और कुल्हाड़ी से बेरहमी से हमला किया गया। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें अस्पताल पहुंचाया।परिजनों का आरोप है कि गांव में ग्राम प्रधान के कार्यों में भ्रष्टाचार की शिकायत की जांच चल रही थी। इसी शिकायत के कारण प्रधान पक्ष के लोग जसवंत से रंजिश रखते थे।

तेज आंधी-पानी से गाजीपुर में जनजीवन अस्त-व्यस्त, कई घायल, आवागमन बाधित

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। बुधवार को करीब शाम 4 बजे अचानक मौसम के रुख में बदलाव ने जनपद में भारी तबाही मचा दी। तेज आंधी, तूफान और बारिश के चलते कई स्थानों पर पेड़ और विद्युत पोल गिर गए, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर सुल्तानपुर गांव के पास मुख्य मार्ग पर एक विद्युत पोल और नीम का पेड़ गिर जाने से आवागमन बाधित हो गया। वहीं भांवरकोल क्षेत्र के मच्छटी चौकी के पास भी एक विशाल नीम का पेड़ सड़क पर गिर पड़ा, जिससे यातायात ठप हो गया।

मुहम्मदाबाद क्षेत्र के सुरतापुर गांव में आंधी के कारण एक टीन शेड गिर गया, जिसकी चपेट में आने से 14 वर्षीय अभय कुमार (पुत्र अलगु) गंभीर रूप से घायल हो गया। इसी तरह भांवरकोल के आमघाट में दीवार गिरने से दिनेश यादव (पुत्र अशोक यादव) बुरी तरह जख्मी हो गए।

कलम के सिपाही पर कायराना हमला, पत्रकार समाज में आक्रोश

सुलतानपुर-बंधुआ कला के ग्राम मनियारपुर में पत्रकार युसुफ रजा और उनके छोटे भाई परवेज हैदर पर हुए जानलेवा हमले की पूरे जिले के पत्रकारों ने कड़ी निंदा की है।खबर लिखने वाले पर खबर बन गई दबंगो ने पत्रकार के भाई का सिर फोड़ा मामूली विवाद की आड़ में दबंगों ने पत्रकार के घर पर दबंगो ने धावा बोल दिया।जानलेवा हमले का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल मुन्नऊ पुत्र मो.सकूर, चुन्नऊ पुत्र मो.सकूर व सन्ने पुत्र मो.सकूर ने लाठी-डंडों से हमला कर परवेज हैदर का सिर फोड़ दिया। खुलेआम जान से मारने की धमकी दी गई।सवाल ये है: क्या सुलतानपुर में खबर लिखना गुनाह है? क्या जमीन कब्जा गैंग के खिलाफ आवाज उठाने पर पत्रकार का खून बहाया जाएगा? पत्रकार युसुफ रजा सालों से गरीब, मजलूम की आवाज उठाते रहे हैं। भ्रष्टाचार और गुंडई के खिलाफ कलम चलाते रहे हैं। आज उसी कलम को तोड़ने की साजिश हुई है।

गाजीपुर में पुलिस ने 1 करोड़ 40 लाख की हिरोइन के साथ दो तस्करों को किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

गाजीपुर। एएनटीएफ और थाना जमानियाँ की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 520 ग्राम नाजायज हिरोइन बरामद की है। इस कार्रवाई में दो शातिर तस्कर भी गिरफ्तार हुए हैं। बरामद मादक पदार्थ की कीमत लगभग 1 करोड़ 40 हजार रुपये आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार, 28 अप्रैल 2026 को एएनटीएफ के प्र0नि0 सुरेन्द्र नाथ सिंह और उ0नि0 राजकुमार यादव की टीम मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर देवरिया चौकी के पास सक्रिय रही। ग्राम खिजिरपुर/मथारे चट्टी सरफुद्दीन के मकान से करीब 100 मीटर पहले अभियुक्त अविनाश कुमार पुत्र अशोक कुमार निवासी कुदरा, थाना कुदरा, जनपद कैमूर और राजू कुमार रावत पुत्र स्व. गंगा रावत निवासी रामगढ़, थाना रामगढ़, जनपद कैमूर को हिरासत में लिया गया।

गुरुचरन कौर स्कूल का शत प्रतिशत रिजल्ट कृतिका बनी टॉपर

सुलतानपुर।आईसीएसई बोर्ड हाईस्कूल (10वीं) परीक्षा परिणाम में गुरुचरन कौर पब्लिक स्कूल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। विद्यालय के सभी 62 छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए हैं। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही विद्यालय परिसर में खुशी की लहर दौड़ गई।विद्यालय से इस वर्ष कुल 62 विद्यार्थियों ने हाईस्कूल परीक्षा दी थी। इनमें 23 छात्र व 39 छात्राएं शामिल थीं। सभी विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त कर विद्यालय का मान बढ़ाया। खास बात यह रही कि मेधावी छात्राओं ने टॉप-3 स्थानों पर कब्जा जमाया।कृतिका पाण्डेय ने 95.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। अलीजा फातिमा 95 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय तथा शिफा आसिफ 92.8 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रहीं। उत्कृष्ट यादव, अनुष्का यादव व सुनिधि मिश्रा ने 92.4 प्रतिशत अंक अर्जित कर संयुक्त रूप से चौथा स्थान प्राप्त किया।

बंगालः मताधिकार पर डाका या जनतंत्र का अपहरण!

– राजेन्द्र शर्मा

याद रहे कि मतदाताओं के ऐसे ही बहिष्करण की आशंकाओं को लेकर, अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने, सर की पूरी प्रक्रिया को ही चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस चुनौती में अन्य चीजों के अलावा सर की प्रक्रिया में ढांचागत रूप से ही, मतदाता सूचियों को अद्यतन बनाने के बजाए, एक प्रकार से नये सिरे से मतदाता रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बना देने और उसके लिए नागरिकता परीक्षण को शर्त बना देने को चुनौती दी गयी थी, क्योंकि यह सभी संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है।

पिछले साल के शुरू में जब बिहार से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण उर्फ सर की प्रक्रिया शुरू की गयी थी, तभी जनतंत्र की तथा आम जनता के अधिकारों की चिंता करने वाले अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने और इनमें विपक्षी राजनीतिक पार्टियां भी शामिल थीं, देश को आगाह किया था कि जिस तरह से इस प्रक्रिया को गढ़ा गया था और विधानसभाई चुनाव से पहले पूरा करने की जल्दबाजी में और इकतरफा फैसलों के जरिए जिस तरह संचालित किया जा रहा था, वह बड़ी तादाद में लोगों को मताधिकार से वंचित करने का ही साधन बनेगा। इसमें गरीब-गुरबा, सामाजिक रूप से कमजोर, अशिक्षित या कम शिक्षित लोगों, महिलाओं और अल्पसंख्यकों के मताधिकार के लिए खतरे की ओर खासतौर पर ध्यान खींचा गया था।

उसके करीब एक साल बाद, जबकि देश के बड़े हिस्से में, जिसमें विधानसभा चुनाव के मौजूदा चक्र में शामिल राज्य खासतौर पर शामिल हैं और 2024 के आम चुनाव के बाद, सामान्य रूप से अपडेट की गयी मतदाता सूचियों के अनुसार देश के करीब 60 करोड़ मतदाता आते थे, मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के नाम पर करीब 6 करोड़ यानी कुल 10 फीसदी मतदाताओं की छंटनी कर दी गयी है। इस पूरी कसरत का मकसद ही मतदाता सूचियों के शुद्धीकरण के बजाए, मतदाताओं के खासे बड़े हिस्से का बहिष्करण ही होने और देश के वर्तमान सत्ताधिकारियों के राजनीतिक फायदे के लिए मतदाताओं के चुनिंदा हिस्सा का बहिष्करण होने में अगर किसी को संदेह रहा भी होगा तो, पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के जरिए जिस तरह से 35 लाख लोगों को कम से कम मौजूदा चुनाव में तो मताधिकार से वंचित कर ही दिया गया है, उससे दूर हो जाना चाहिए। जाहिर है कि सर प्रक्रिया के नाम पर चुनाव आयोग द्वारा लाखों लोगों का मताधिकार छीने जाने की वंचना, सुप्रीम कोर्ट के यह कहने से कम नहीं हो जाती है कि वे अगले चुनावों के लिए मतदाता सूची में अपनी जगह बनाए रखने के लिए प्रयास जारी रख सकते हैं! याद रहे कि मतदाताओं के ऐसे ही बहिष्करण की आशंकाओं को लेकर, अनेक संगठनों तथा व्यक्तियों ने, सर की पूरी प्रक्रिया को ही चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। इस चुनौती में अन्य चीजों के अलावा सर की प्रक्रिया में ढांचागत रूप से ही, मतदाता सूचियों को अद्यतन बनाने के बजाए, एक प्रकार से नये सिरे से मतदाता रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया बना देने और उसके लिए नागरिकता परीक्षण को शर्त बना देने को चुनौती दी गयी थी, क्योंकि यह सभी संविधान के प्रावधानों के खिलाफ है। यह दूसरी बात है कि सर्वोच्च न्यायालय ने अब तक इस चुनौती पर तो निर्णय नहीं दिया है, उल्टे अपने अनेक हस्तक्षेपों के जरिए उसने, सर की प्रक्रिया को लागू कराने के लिए सुगमताकारक की ही भूमिका जरूर बड़े उत्साह से संभाली है। प0 बंगाल का 34 लाख लोगों का मताधिकार, चुनाव के बाद तक न्यायाधीन बने रहने का भयावह कांड, इसी का नतीजा है। फिर भी यह कहना पड़ेगा कि बंगाल को यह अनोखा 'तोहफा' सुप्रीम कोर्ट ने नहीं दिया था। यह तोहफा दिया था चुनाव आयोग ने, जिसे बंगाल के मामले में एसआइआर के लिए शेष देश में अपनायी गयी प्रक्रिया के जरिए, पचास लाख से ज्यादा नामों के काटे जाने से संतोष नहीं हुआ था। इसका सीधा सा कारण विभिन्न स्तरों पर केंद्रीय सत्ता की इस शिकायत में छिपा था कि चूंकि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में थी, उसने जरूर राज्य कर्मचारी तंत्र से जुड़े बीएलओ आदि को प्रभाव में लेकर, नाम कटने वाले मतदाताओं की संख्या कम करा दी होगी। याद रहे कि बिहार से सर की प्रक्रिया शुरू होने के समय से ही, संघ-भाजपा और उसकी केंद्रीय सत्ता द्वारा इसका प्रचार किया जा रहा था कि, इस छंटनी का असली मकसद बांग्लादेशी घुसपैठियों को मतदाता सूचियों से निकालना था। यह सत्ताधारी संघ-भाजपा के इस आम प्रचार से बखूबी मेल खाता है कि भारत के विभिन्न हिस्सों में बहुत भारी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठिये आकर जम गए हैं। याद रहे कि पिछले साल अप्रैल में पहलगांव के आतंकवादी हमले के बाद, खासतौर पर उत्तर भारत के विभिन्न हिस्सों में, जिसमें राजधानी तथा उसके आस-पास के इलाके खासतौर पर शामिल थे, बांग्लादेशी होने के संदेह के नाम पर, बड़ी संख्या में बंगाली मुसलमानों की पकड़-धकड़ और कहीं-कहीं उन्हें जबरन बांग्लादेश की सीमाओं में धकेलने की मुहिम भी छेड़ी गयी थी। इस पृष्ठभूमि में सर प्रक्रिया से हिंदुत्ववादी ताकतों की कथित घुसपैठिया-विरोधी और वास्तव में मुस्लिम-विरोधी अपेक्षाएं और भी बढ़ गयीं।

बेशक, बिहार में और उसके बाद में दूसरे कई राज्यों में भी सर की प्रक्रिया के जरिए, किसी उल्लेखनीय संख्या में घुसपैठियों की पहचान होने की सचाई सामने नहीं आयी।

स्मार्ट मीटर बना जनता का संकट चित्रकूट में कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

- प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन
- स्मार्ट मीटर पर उपभोक्ताओं की शिकायत

अखंड भारत संदेश

प्रदर्शन में मौजूद कांग्रेसी

चित्रकूट। जिले की सियासत और सड़कों पर उस वक्त उबाल आ गया जब जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल के नेतृत्व में स्मार्ट मीटर के खिलाफ गूंजता जनाक्रोश कचेहरी पार्क से उठकर तहसील तक पहुंच गया। नारों की गूंज और भीड़ का उफान मानो यह सवाल पूछ रहा था कि क्या विकास के नाम पर जनता पर बोझ डाला जा रहा है? जुलूस ब्लॉक होते हुए तहसील पहुंचा, जहां उप जिलाधिकारी कर्वी को ज्ञापन सौंपा गया। कुशल सिंह पटेल ने साफ शब्दों में कहा कि बिना सूचना और उपभोक्ता की सहमति के मीटर बदलना सीधा अन्याय है, जिससे आम आदमी परेशान और ठगा महसूस कर रहा है। उन्होंने निजीकरण की बढ़ती रफ्तार को जनता के हितों के खिलाफ बताते हुए चेताया कि अगर स्मार्ट मीटर का दबाव जारी रहा तो कांग्रेस सड़क से सदन तक संघर्ष छेड़ेगी। पूर्व प्रत्याशी रंजना बराती लाल पांडे ने भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि गरीबी रेखा के नीचे जी रहे परिवारों के लिए स्मार्ट मीटर सुविधा नहीं, सजा बन गया है- पैसा खत्म होते ही बिजली गुल, और भीषण गर्मी में अंधेरा ही अंधेरा। उपभोक्ताओं ने भी अपनी पीड़ा साझा करते हुए कहा कि स्मार्ट मीटर ने राहत नहीं, बल्कि मुसीबतों का नया अध्याय खोल दिया है। कांग्रेस ने एक सुर में मांग उठाई कि स्मार्ट मीटर योजना तत्काल बंद कर पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए, अन्यथा यह चिंगारी जल्द ही जन आंदोलन की आग में बदल सकती है। इस मौके पर चुनवाद प्रसाद प्रजापति, राकेश वर्मा, राबेद्र सिंह पटेल, ओमप्रकाश गुप्ता, चंद्रकली गुप्ता, प्रीतम सोनकर, धर्मेंद्र त्रिपाठी, माया देवी समेत अन्य मौजूद थे।

राम-हनुमान धामों का होगा कायाकल्प, 206 लाख से चमकेगा चित्रकूट पर्यटन

- मंदिर-घाट बनेंगे पर्यटन के नए सितारे
- सरकार का बड़ा दांव चित्रकूट में

अखंड भारत संदेश

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह

चित्रकूट। जिले की पावन धरती पर अब आस्था और विकास की नई पटकथा लिखी जा रही है। उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यटन को नई रफ्तार देने के लिए 206 लाख रुपये की छह महत्वाकांक्षी परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे धार्मिक स्थलों की सूरत और सीरत दोनों बदलने की तैयारी है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह के मुताबिक, चित्रकूट विधानसभा के पालेश्वरनाथ मंदिर पहाड़ी के विकास के लिए 80 लाख, राम शैया के लिए 25 लाख और सीतापुर खेड़ी चौराहे पर पर्यटन सुविधा केंद्र के लिए 10 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। वहीं मानिकपुर क्षेत्र में महर्षि वाल्मीकि लालपुर स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के लिए 26 लाख, तमसा गंगा नदी पर वाल्मीकि घाट के निर्माण हेतु 50 लाख और लालापुर में महर्षि आश्रम परिक्रमा पथ के लिए 15 लाख की धनराशि तय की गई है। इन परियोजनाओं का जिम्मा यूपीआरएनएन को सौंपा गया है, जिसे समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का दावा है कि इन योजनाओं से न सिर्फ धार्मिक विरासत को नया जीवन मिलेगा, बल्कि पर्यटन के जरिए स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

717 दावेदार, 82 चयन- चित्रकूट में आंगनवाड़ी भर्ती पर आखिर हुआ बड़ा फैसला

चित्रकूट। में आंगनवाड़ी भर्ती की बहुप्रतीक्षित प्रक्रिया आखिरकार अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई, जहां जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की निगरानी में 86 रिक्त पदों के सापेक्ष 82 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों का चयन कर दिया गया। शासनादेश दिनांक 17 सितंबर 2025 के तहत जारी इस प्रक्रिया में कुल 717 आवेदनों ने प्रतिस्पर्धा को तीखा बना दिया। नियमों के मुताबिक इंटरमीडिएट योग्यता, 18 से 35 वर्ष आयु सीमा और ग्रामसभा आधारित वरीयता ने चयन को

विधवाओं को वरीयता, कुछ पद फिर भी रिक्त, तीन केंद्रों पर अभ्यर्थी नहीं मिले

सामाजिक संवेदनशीलता का आईना बना दिया। खास बात यह रही कि विधवा, तलाकशुदा और परित्यक्ता महिलाओं को प्राथमिकता देकर प्रशासन ने सामाजिक न्याय का संदेश देने की कोशिश की। 21 अप्रैल 2026 को चयन समिति की बैठक में कर्वी, रामनगर, मानिकपुर, पहाड़ी, मऊ और शहर परियोजनाओं के प्रस्तावों पर मुहर लगी, जहां अधिकांश पद भर दिए गए, लेकिन कुछ केंद्र- खैरी सकरौली, गिदुरहा और मऊगढ़ी- पर योग्य अभ्यर्थी न मिलने से पद खाली रह गए। वहीं, नैनी बांगर केंद्र के पुनर्स्थापन के कारण चयन टल गया। इस चयन से अब न सिर्फ आंगनवाड़ी केंद्रों की गतिविधियां रफ्तार पकड़ेंगी, बल्कि पोषण, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण की योजनाएं भी गांव-गांव तक मजबूती से पहुंच सकेंगी।

ओडीओपी योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, पात्रता शर्तें जारी

मिलेगा 25 लाख तक अनुदान

चित्रकूट। जिले की काष्ठ कला को अब मिलेगा ह्यसरकारी संजीवनीह्ण का सहारा- रोजगार के नए दरवाजे खुलने को तैयार हैं। उप आयुक्त उद्योग एसके केसरवानी ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन की एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के तहत जिले में काष्ठ कला को पहचान दिलाने के लिए वित्तीय सहायता का सुनहरा अवसर दिया जा रहा है। खास बात यह है कि 18 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी व्यक्ति, बिना शैक्षिक बाध्यता के, अपना उद्योग शुरू कर सकता है। 25 लाख रुपये तक की परियोजना पर 25 प्रतिशत तक का अनुदान सीधे सरकार देगी, जिससे छोटे कारीगरों और नए उद्यमियों को बड़ी राहत मिलेगी। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है, जहां इच्छुक अभ्यर्थी जरूरी दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं। विभागीय अधिकारियों ने अपील की है कि युवा इस अवसर को हाथ से न जाने दें, क्योंकि यह योजना न केवल आत्मनिर्भरता का रास्ता खोलती है, बल्कि चित्रकूट की पारंपरिक कारीगरी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का जरिया भी बन सकती है।

आंकड़ों में पारदर्शिता, क्लिक में सुविधा- चित्रकूट का नया डिजिटल बुकिंग मॉडल

चित्रकूट। जिले में अब ठहरने की व्यवस्था भी डिजिटल रफ्तार पकड़ चुकी है। 07 अप्रैल 2026 से शुरू हुई सर्किट हाउस और इंस्पेक्शन बंगले की ऑनलाइन बुकिंग व्यवस्था ने महज तीन हफ्तों में ही पारदर्शिता और सुविधा का नया अध्याय लिख दिया है। आंकड़े खुद कहानी कहते हैं- 30 अप्रैल तक कुल 59 बुकिंग में से 54 को मंजूरी मिली, यानी 92 प्रतिशत सफलता दर। केवल 5 आवेदन अस्वीकृत हुए और एक भी फाइल लंबित नहीं रही। आर्थिक दृष्टि से भी यह प्रयोग सफल साबित हुआ है- कुल 75,375 रुपए की राशि में से 70,450 रुपए स्वीकृत बुकिंग से प्राप्त हुए, जबकि 4,925 रुपए अस्वीकृत आवेदनों के रूप में लौटाए गए। पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर आधारित यह प्रणाली न सिर्फ निष्पक्षता को मजबूत करती है, बल्कि सिफारिश और भेदभाव की गुंजाइश को भी खत्म करती है। खास बात यह रही कि विशेष परिस्थितियों में आगंतुकों की सुविधा के लिए ऑन-अराइवल बुकिंग सहायता भी उपलब्ध कराई गई, जिससे तकनीकी असहजता वाले लोग भी इस व्यवस्था से जुड़ सके।

पहाड़ी में शिक्षा का मंथन- 16 एजेंडों पर गरजे अफसर, स्कूलों को चेतावनी

बैठक में मौजूद अधिकारीगण

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले के पहाड़ी ब्लॉक में शिक्षा व्यवस्था को नई धार देने की कवायद उस समय तेज होती दिखी, जब शान्ती देवी इंटर कॉलेज में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ने अचानक शिक्षा का मंथन का रूप ले लिया। खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में करीब 16 अहम एजेंडा बिंदुओं पर गहन चर्चा हुई, जहां नव भारत साक्षरता कार्यक्रम से लेकर निपुण भारत मिशन तक की प्रगति को विद्यालयवार परखा गया। स्कूल रेडीनेस प्रोग्राम, होलिस्टिक रिपोर्ट कार्ड और मध्याह्न भोजन योजना की जमीनी हकीकत भी सामने आई। बैठक में कई प्रधानाध्यापकों ने कामकाज की चुनौतियां खुलकर रखीं, जिनका मौके पर समाधान किया गया। अधिकारियों ने साफ संकेत दिए कि सत्र 2026-27 में स्कूल चलो अभियान सिर्फ औपचारिकता नहीं, बल्कि मिशन मोड में चलेगा। ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान और नामांकन पर विशेष जोर देते हुए शिक्षकों को जिम्मेदारी का अहसास कराया गया। बैठक में मौजूद सैकड़ों शिक्षकों ने शिक्षा सुधार की इस पहल को नई उम्मीद के तौर पर देखा।

कर्वी बालिका इंटर कॉलेज में नशा मुक्ति व साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अखंड भारत संदेश

कार्यक्रम में मौजूद अधिकारीगण

चित्रकूट। सेवा भारती का सपना- नशा मुक्त हो चित्रकूट अपना के संकल्प के साथ राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कर्वी में जागरूकता का ऐसा संग्राम छिड़ा, जिसमें छात्राओं को समाज की असली प्रहरी बनने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का संचालन नीलम जैन ने ओजपूर्ण कविताओं से किया, वहीं प्रिंसिपल श्रीमती शशिकला ने छात्राओं की उपलब्धियों- जर्मनी में पीएचडी कर रही छात्रा- का जिक्र कर आसमान छूने का हौसला जगाया। जिला महामंत्री राज किशोर शिवहरे ने ज्ञान के नशे को अपनाने का मंत्र देते हुए युवतियों को भटकाव से बचने की सीख दी। अग्रणी जिला प्रबंधक अनुराग शर्मा ने कल्पना चावला व सुनीता विलियम्स जैसी हस्तियों का उदाहरण देकर लक्ष्य ऊंचे रखने का संदेश दिया। साइबर सेल के प्रशांत सिंह ने 1930 हेल्पलाइन सहित डिजिटल ठगी से बचाव के गुर सिखाए। जिला विद्यालय निरीक्षक रवि शंकर ने कहा कि पढ़ी-लिखी बेटियां ही परिवार की असली रोशनी हैं। अंत में नशा मुक्त भारत की शपथ और राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

गौशालाओं से उठी आत्मनिर्भरता की गूंज, चित्रकूट बना सर्कुलर इकॉनमी की प्रयोगशाला

- नैपियर घास से बायोगैस तक
- गौ संरक्षण पर विस्तृत समीक्षा बैठक

अखंड भारत संदेश

गौसेवा आयोग के अध्क्ष को सम्मानित करते सीडीओ

चित्रकूट। जिले की धरती पर गुरुवार को गौ संरक्षण महज एक नारा नहीं, बल्कि विकास की नई पटकथा बनकर उभरा, जब उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त और सदस्य रमाकांत उपाध्याय के नेतृत्व में संयुक्त निरीक्षण दल ने जिले की गौशालाओं का गहन मंथन किया। निरीक्षण के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में साफ संदेश दिया गया- अब गौशालाएं सिर्फ आश्रय नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर गांवों की धुरी बनेंगी। सरकार की प्राथमिकता गौ संवर्धन को जमीन पर उतारने के लिए हरे चारे की सालभर उपलब्धता, नैपियर घास की बुवाई और कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग जैसे मॉडल पर जोर दिया गया, ताकि हर गौवंश तक पोषण पहुंचे और कोई भूखा न रहे। वहीं भूसे के छह माह के भंडारण, स्वच्छ पेयजल और संतुलित आहार की अनिवार्यता ने गौशालाओं की व्यवस्थाओं पर सीधी निगाह डाल दी। बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत युवाओं, महिलाओं और छोटे किसानों को देशी गाय देकर रोजगार के नए द्वार खोले जाएंगे, जहां गोबर-गोमूत्र से जैविक खाद, बायोपेस्टिसाइड और ऊर्जा उत्पादन तक की श्रृंखला विकसित होगी। बायोगैस संयंत्रों के जरिए गांवों को ऊर्जा आत्मनिर्भर बनाने और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य व पर्यावरण सुधार की दिशा में बड़ा कदम माना गया। निरीक्षण दल ने विभागीय समन्वय, एनजीओ और स्वयं सहायता समूहों की भागीदारी बढ़ाकर गौ आधारित सर्कुलर इकॉनमी को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। साफ संकेत है- अब चित्रकूट की गौशालाएं सिर्फ सेवा का केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण समृद्धि का नया इंजन बनने जा रही हैं।

आस्था के आंगन में अपशब्दों का जहर महंत भरतदास फिर विवादों के घेरे में

- संत की जुबान या सियासी साजिश?
- महंत भरतदास पर गिरफ्तारी का दबाव
- कई थानों में शिकायत दर्ज

चित्रकूट। जिले के वाल्मीकि आश्रम की शांति एक बार फिर विवादों की आंच में झुलसती नजर आ रही है। महंत भरतदास की फेसबुक आईडी से महिलाओं और धार्मिक व्यक्तित्वों पर की गई कथित अभद्र टिप्पणियों ने पूरे जिले में आक्रोश की लहर दौड़ा दी है। बजरंग सेना की राष्ट्रीय प्रभारी अर्चना उपाध्याय और कामतानाथ मंदिर के महंत मदन गोपालदास को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद मामला तूल पकड़ गया है। दो पीड़ित महिलाओं ने रैपुरा थाने में अलग-अलग मुकदमे दर्ज कराए, वहीं अर्चना उपाध्याय ने कर्वी कोतवाली पहुंचकर सख्त कार्रवाई की मांग की। इस बीच पुलिस की सुस्ती पर सवाल उठाते हुए पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्र समर्थकों संग थाने पहुंचे और तत्काल गिरफ्तारी की मांग करते हुए चेतावनी दी कि कार्रवाई न होने पर आंदोलन होगा। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह पहली बार नहीं, बल्कि महंत भरतदास का विवादों से पुराना नाता रहा है। पहले भी सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियां और मारपीट के आरोप लग चुके हैं। आधा दर्जन से अधिक मुकदमे पहले से दर्ज होने के बावजूद लगातार सामने आ रहे विवादों ने प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन सवाल है कि आखिर कब तक आस्था के नाम पर मयार्दा तार-तार होती रहेगी?

न्याय की नई सेना तैयार, क्या बनेंगे आप चित्रकूट के कानूनी योद्धा?

- जिले में शुरू हुई कानूनी क्रांति
- हर गली में न्याय का पहरेदार

चित्रकूट। जिले में न्याय की चौखट अब आमजन के और करीब लाने की तैयारी तेज हो गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव इला चौधरी ने एक ऐसी पहल का ऐलान किया है, जो समाज के कमजोर, दलित और जरूरतमंद तबकों के लिए उम्मीद की नई किरण बन सकती है। प्राधिकरण ने परा विधिक स्वयं सेवकों (पीएलवी) की नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं, जिनका काम लोगों को उनके कानूनी अधिकारों की जानकारी देना, विवादों का शांतिपूर्ण समाधान कराना और न्याय तक आसान पहुंच सुनिश्चित करना होगा। खास बात यह है कि इस मिशन में शिक्षक, डॉक्टर, छात्र, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य और सेवाभाव रखने वाले लोग भागीदारी कर सकते हैं। न्यूनतम योग्यता हाईस्कूल रखी गई है, जबकि चयन के बाद प्रशिक्षण और परीक्षा भी होगी। हालांकि यह सेवा पूरी तरह मानदेय आधारित है, लेकिन इसका सामाजिक प्रभाव बेहद बड़ा माना जा रहा है। इच्छुक अभ्यर्थी 11 मई 2026 तक आवेदन कर सकते हैं। सवाल है कि क्या समाज सेवा की यह पुकार युवा दिलों को झकझोर पाएगी?

यूएई क्यों हो रहा OPEC से बाहर, क्या हमें खुश होना चाहिए?

संयुक्त अरब

ओपेक टूट गया। यूएई ने ओपेक से बाहर निकलने का फैसला लिया। इसको आप यूएस ईरान युद्ध की पहली कैजुअल्टी मान सकते हैं। जी हां, यह ताकत थी जो पूरी दुनिया में दरअसल तेल के बाजार को कंट्रोल करती थी और यह ताकत, यह परिवार बिखरने लगा है। क्या कुछ इसके मायने हैं? क्या कुछ इसकी वजह हैं? 1 मई से आधिकारिक रूप से यूएई ओपेक संगठन का हिस्सा नहीं रहेगा। करीब 10% उत्पादन पर तेल के यूएई का कब्जा था। यूएई का कुल आपूर्ति में योगदान था। लेकिन उससे बड़ी यूएई की पोजीशनिंग, पोशंगिंग इस पूरे ग्रुप में थी।

ओपेक प्लस गठबंधन क्या है?

साल 2016 में तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक ने 10 ऐसे अन्य देशों के साथ साझेदारी की जो तेल का उत्पादन तो करते हैं, लेकिन ओपेक के सदस्य नहीं थे (इनमें रूस सबसे प्रमुख है)। इन सभी देशों के मिलकर बने इस नए और बड़े समूह को ही 'ओपेक प्लस' कहा जाता है। पूरी दुनिया में जितना भी तेल निकाला जाता है, उसका लगभग 40 से 45 प्रतिशत हिस्सा इसी गठबंधन के नियंत्रण में है। इतनी बड़ी मात्रा में तेल पर नियंत्रण होने के कारण, अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल (ऊर्जा) की कीमतें तय करने या उन पर असर डालने में इस समूह की ताकत बहुत ज्यादा बढ़ जाती है।

कौन-कौन से देश शामिल हैं

वर्तमान में इस संगठन के सदस्यों की संख्या में कुछ बदलाव हुए हैं। वैसे तो इस समूह में पहले 13 या उससे ज्यादा सदस्य होते थे, लेकिन हाल की घटनाओं के कारण इसकी संरचना बदल गई है। सक्रिय सदस्य (12 देश): अल्जीरिया, कांगो, इक्वेटोरियल गिनी, गैबॉन, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, सऊदी अरब (जो इस समूह का मुख्य नेता माना जाता है), संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला। हाल ही में बाहर होने वाले देशः अंगोला 1 जनवरी 2024 से इस समूह से बाहर हो गया है।

ओपेक दुनिया भर में तेल की कीमतों को कैसे नियंत्रित करता है?

ओपेक मुख्य रूप से कच्चे तेल के उत्पादन का एक 'कोटा' (लिमिट) तय करता है। इसी के जरिए वह पूरी दुनिया में तेल की सप्लाई को मैनेज करता है और कीमतों को कंट्रोल करता है। कीमतें बढ़ाना या स्थिर रखनाः जब ओपेक चाहता है कि तेल की कीमतें बढ़ें या बाजार में स्थिर रहें, तो सभी सदस्य देश आपसी सहमति से तेल का उत्पादन (निकालना) कम कर देते हैं। (सप्लाई कम होने से कीमतें बढ़ जाती हैं)। जब उन्हें कीमतें कम करनी होती हैं, तो वे तेल का उत्पादन बढ़ा देते हैं।

ओपेक एक 'कार्टेल' (व्यापारियों या देशों का ऐसा गुट जो बाजार पर अपना दबदबा बनाए रखता है) की तरह काम करता है। दुनिया में अब तक जितना भी तेल का भंडार खोजा गया है, उसका लगभग 80% हिस्सा ओपेक देशों के ही पास है। इतने बड़े हिस्से पर कब्जा होने के कारण यह समूह आसानी से अंतरराष्ट्रीय बाजार के "संतुलन" को अपने हिसाब से प्रभावित कर लेता है।

अब क्या हुआ

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने मंगलवार को घोषणा की है कि वह एक मई से पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) से अलग हो जाएगा। यूएई ने अपनी सरकारी समाचार एजेंसी ह्यडब्ल्यूएएमह्ल के माध्यम से यह घोषणा की। यूएई ने कहा कि यह निर्णय संयुक्त अरब अमीरात के दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण तथा बदलते ऊर्जा समीकरणों को दशार्ता है। साथ ही वैश्विक ऊर्जा बाजारों में एक जिम्मेदार, विश्वसनीय और दूरदर्शी भूमिका निभाने की उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। यह कदम ऐसे समय में सामने आया है जब यूएई का सऊदी अरब के साथ तनाव बढ़ता जा रहा है, खासकर आर्थिक मुद्दों और ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ यमन में जारी युद्ध को लेकर दोनों देशों के बीच टकराव की स्थित है।

यूएई ने ओपेक क्यों छोड़ा?

यूएई ने अपनी तेल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए अरबों डॉलर का निवेश किया है, लेकिन उसे लंबे समय से यह शिकायत थी कि ओपेक के सख्त नियमों और कोटे की वजह से वह अपनी क्षमता के मुताबिक तेल का निर्यात नहीं कर पा रहा है (यानी तेल नहीं बेच पा रहा है)। ओपेक छोड़ने का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब हाल ही में ईरान के हमलों के दौरान बाकी अरब देशों ने यूएई को सैन्य और राजनीतिक समर्थन नहीं दिया था, जिसकी यूएई ने कड़ी आलोचना भी की थी। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों का कहना है कि समूह से बाहर निकलने का यह फैसला उनकी "लंबी अवधि की रणनीतिक और आर्थिक सोच" का हिस्सा है। इससे उन्हें बाजार के बदलते हालात के हिसाब से तुरंत और स्वतंत्र रूप से फैसले लेने में ज्यादा आजादी मिलेगी।

भारत के लिए कैसे खुलेगा फायदे का रास्ता?

भारत अपनी जरूरत का करीब 85 प्रतिशत कच्चा तेल विदेशों से खरीदता है। ऐसे में यूएई का ओपेक से बाहर आना भारत के लिए किसी लॉटरी से कम नहीं है। अब यूएई पर ओपेक के उत्पादन कोटे की कोई रोक-टोक नहीं है। उसने तेल उत्पादन बढ़ाने में जो भारी निवेश किया है, अब उसका इस्तेमाल करते हुए वह अपनी पूरी क्षमता से तेल बाजार में उतारेगा। सीधा सा गणित है कि जब बाजार में तेल की सप्लाई ज्यादा होगी, तो उसकी कीमतें गिरेंगी। अगर कच्चे तेल के दाम में 5 से 10 डॉलर प्रति बैरल की भी कमी आती है, तो भारत के अरबों रुपये बचेंगे। अब तक तेल खरीदने के मामले में भारत को काफी हद तक ओपेक के कड़े नियमों और सऊदी अरब की नीतियों के हिसाब से चलना पड़ता था। लेकिन यूएई का यह कदम भारत के लिए एक शानदार रणनीतिक मौका लेकर आया है। अब भारत बिना किसी संगठन की बंदिश के, सीधे तौर पर यूएई से बात करके लंबे समय के लिए और रियायती दरों पर (सस्ते) तेल के सौदे पक्के कर सकता है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि भारत को तेल के लिए सिर्फ रूस या अन्य देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

दुनिया के मंच पर आरआईसी की वापसी, अरूणाचल में बवाल के बीच भारत-चीन ने की बड़ी बैठक

रूस

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस वक्त किरगिस्तान की राजधानी बिकेक पहुंचे हुए हैं। जहां वो एससीओ की रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे। लेकिन उनके इस दौरे से एक और बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के रक्षा मंत्री डोंग जोन से मुलाकात की है। इस मुलाकात की जानकारी खुद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए दी। जिस पोस्ट में उन्होंने लिखा बिस्केक में एसइओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान चीन के रक्षा मंत्री एडमिरल जोंग जून के साथ बातचीत करके मुझे खुशी हुई। इस मुलाकात में दोनों रक्षा मंत्रियों के बीच आखिर क्या बातचीत हुई इस पर कोई भी आधिकारिक सूचना तो सामने नहीं आई है। हालांकि कुछ मीडिया सूत्रों के मुताबिक इस बातचीत में भारत और चीन के बीच संवेदनशील मुद्दा यानी लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल की मौजूदा स्थिति पर चर्चा हुई है।

भारत और चीन के बीच एलएसी को लेकर विवाद बेहद पुराना है। लेकिन पिछले कुछ सालों में एलएसी को लेकर विवाद दोनों देशों के बीच कुछ बढ़ सा गया है। जहां पर कई बार तनाव जैसी स्थिति देखने को मिली। जिसके बाद जब पिछली एसइओ की मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंचे थे। उसके बाद दोनों देशों ने डिसंगेजमेंट का फैसला किया। लेकिन दोनों देशों की तरफ से अभी भी सतर्कता बरती जा रही है। ऐसे में यह बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है जो भारत और चीन के रक्षा मंत्रियों के बीच हुई है। इतना ही नहीं इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री एंड्राई बेलेसफ से भी मुलाकात की है। जिसके जानकारी भी उन्होंने पोस्ट करते हुए दी।

भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग हमेशा से ही मजबूत रहा है और इस बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक साझेदारी को लेकर चर्चा हुई। अपने पोस्ट में राजनाथ सिंह ने इस मुलाकात को शानदार बातचीत बताया जिससे साफ है कि भारत अपने पारंपरिक सहयोगियों के साथ रिश्ते मजबूत कर रहा है। बिकेक में हो रही यह बैठक सिर्फ औपचारिक नहीं है बल्कि एक ऐसे समय में हो रही बैठक है जब दुनिया के कई हिस्सों में तनाव बढ़ रहा है। खास करके वेस्ट एशिया में जहां संघर्ष जारी है और वैश्विक सुरक्षा को लेकर एक चिंता बनी हुई है। ऐसे में एसइओ जैसे बड़े मंच पर एक साथ इतने देशों का बैठना और बातचीत करना बेहद अहम हो जाता है। रक्षा मंत्री ने इस बैठक में भारत की नीति को साफ कर दिया है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है और आतंकवाद और कतरवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कायम है।

'संघर्ष खत्म करने को हम साथ हैं'

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ईरान के एक प्रस्ताव की समीक्षा कर रही है, जिसमें युद्ध रोकने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की बात कही गई है, जबकि परमाणु वार्ता को टालने का प्रस्ताव है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सेंट पीटर्सबर्ग में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और कहा कि तेहरान बातचीत फिर से शुरू करने के अमेरिकी अनुरोध पर विचार कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र में, दर्जनों देशों ने जलडमरूमध्य को "तत्काल और बिना किसी रुकावट के फिर से खोलने" का आग्रह किया; वहीं महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी कि इस गतिरोध से वैश्विक खाद्य आपातकाल का खतरा पैदा हो सकता है। इस बीच, इजराइल और हिज्बुल्लाह के बीच गोलीबारी जारी रही, जिससे 17 अप्रैल के "संघर्ष-विराम" के बाद से लेबनान में मरने वालों की संख्या 40 के पार हो गई है।

साप्ताहिक ब्रीफिंग के दौरान, उन रिपोर्टों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में, जिनमें कहा गया था कि ईरान होर्मुज वार्ता को अपने परमाणु कार्यक्रम की चचाओं से अलग करना चाहता है, कतर के प्रवक्ता ने कहा कि दोहा इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक "व्यापक समझौते" के पक्ष में होगा। माजेद अल-अंसारी ने इस बात पर जोर दिया कि दोहा की मुख्य चिंता क्षेत्रीय सुरक्षा है, क्योंकि ईरान के हमलों ने क्षेत्रीय स्थिरता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, इससे पहले अराघची ने कहा था कि अमेरिका की "अत्यधिक" मांगों के कारण, प्रगति होने के बावजूद, दोनों देशों के बीच हालिया बातचीत विफल रही।

नीति से आएगा बड़ा मोड़?

रूस

उत्तरी कोरिया ने यूक्रेन में रूस के युद्ध में मदद के लिए हजारों हथियार और सैनिक भेजे हैं; इनके बीच, उसके सैनिकों द्वारा पकड़े जाने से बचने के लिए अपनी जान देने की खबरें विशेष रूप से चौंकाने वाली हैं। ब्लूमबर्ग ने सरकारी मीडिया के हवाले से बताया कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने रविवार को उन सैनिकों की तारीफ की, जिन्होंने कथित तौर पर युद्ध की रणनीति के तहत, यूक्रेन के खिलाफ रूस की लड़ाई में पकड़े जाने से बचने के लिए आत्महत्या कर ली थी। किम ने कहा कि उन्होंने "महान सम्मान की रक्षा के लिए एक ऐतिहासिक मौत" पाई। यह रणनीति, जिसमें सैनिक पकड़े जाने के बजाय युद्ध के मैदान में अपनी जान दे देते हैं, किम की टिप्पणियों के बाद चर्चा में आ गई है। ये टिप्पणियाँ उन पिछली रिपोर्टों के बाद आई हैं जिनमें कहा गया था कि यूक्रेन में मौजूद उत्तर कोरियाई सैनिकों को हर हाल में पकड़े जाने से बचने का निर्देश दिया गया था,

जिसमें अपनी जान देना भी शामिल था। ये दावे यूक्रेनी खुफि या एजेंसियों की रिपोर्टों और पकड़े गए एक उत्तर कोरियाई सैनिक की गवाही पर आधारित थे।

डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावाः तबाही की कगार पर ईरान

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान "पतन की स्थिति" में है, और साथ ही उन्होंने यह भी दावा किया कि तेहरान ने व्हाइट हाउस से होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का अनुरोध किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया कि ईरान ने यह संदेश किस तरह भेजा था। ट्रंप ने यह भी दोहराया कि तेहरान नेतृत्व संकट से जूझ रहा है। ट्रंप ने ट्रूथ सोशल पर लिखा कि ईरान ने अभी-अभी हमें बताया है कि वे पूरी तरह से ढहने की स्थिति में हैं। वे चाहते हैं कि हम होर्मुज जलडमरूमध्य

खोल दें, जितनी जल्दी हो सके, क्योंकि वे अपनी नेतृत्व की स्थिति को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर यह ताजा पोस्ट उन कई दावों में से एक है जो ट्रंप ने पिछले दो महीनों में होरमुज जलडमरूमध्य को लेकर किए हैं, जबकि नाकाबंदी खत्म करने की कोशिशों के नतीजे बहुत कम निकले हैं। अमेरिका और इजरायल के बीच हफ़्तों तक चली लड़ाई के बाद भी, होर्मुज जलडमरूमध्य जो वैश्विक व्यापार का एक अहम और संकरा रास्ता है। समुद्री यातायात के लिए बंद ही है।

ईरान ने अपनी नौसेना के जरिए नाकेबंदी कर दी है और इस संकरे रास्ते में 6,000 बारूदी सुरंगें बिछा दी हैं। अमेरिका ने भी इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर नाकेबंदी लगाने का दावा किया है। ईरान ने एक अंतरिम समझौते का प्रस्ताव रखा है, जिसके तहत वाशिंगटन द्वारा ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म करने के बदले में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोल दिया जाएगा।

भारत ने 48 घंटे में दी नेपाल को गद्दारी की सजा, गिर जाएगी सरकार?

नेपाल

ठीक एक महीने पहले नेपाल की जिस जेन जेड ने बालेन शाह को प्रधानमंत्री बनाया था। वही जेन जेड अब बालेन शाह के खिलाफ उतर आई है। सिर्फ एक महीने में ही नेपाल के कुछ लोग बालेन शाह को प्रधानमंत्री पद से हटाने की बातें शुरू कर चुके हैं। कुछ दिन पहले नेपाल की बालेन शाह सरकार ने भारत को अकड़ दिखाने की कोशिश की थी। लेकिन भारत ने 48 घंटों में नेपाल का इलाज कर दिया है। भारत कभी नहीं चाहेगा कि नेपाल के साथ उसके रिश्तों पर कभी आंच आए लेकिन अगर नेपाल की सरकार अकड़ दिखाएगी तो गद्दारी का बदला लिया जाएगा और इस बार भारत ने 48 घंटों के अंदर ही नेपाल की सरकार को गद्दारी की सजा दे भी दी है। आपको याद होगा कि कुछ दिन पहले नेपाल की बालेन शाह सरकार ने एक ऐलान किया था। इस ऐलान के तहत नेपाल के लोग अगर भारत से ?100 से ज्यादा का सामान खरीद कर लाते हैं तो इन नेपाली लोगों को कस्टम ड्यूटी देनी होगी। यानी कोई भी नेपाली अगर भारत से ?100 से ज्यादा का सामान खरीद कर नेपाल लाता है तो उसे नेपाल के बॉर्डर पर कस्टम ड्यूटी भरनी होगी।

यह सामान नेपाल के लोगों के लिए ही महंगा हो जाएगा। नेपाल के रैपर प्रधानमंत्री बालेन शाह के इस फैसले पर नेपाल की जनता तो उन पर टूट ही पड़ी है। लेकिन भारत ने भी नेपाल को बहुत बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल नेपाल में ईंधन संकट और फ्यूल लॉकडाउन के बीच बिहार के कई जिलों में बहुत बड़ा कदम उठाया गया है। अब नेपाल बॉर्डर के पास भारत के

पेट्रोल पंपों पर नेपाली नंबर प्लेट वाले वाहनों को पेट्रोल और डीजल नहीं दिया जाएगा। यानी जिस तरह से नेपाल के लोग बिहार आकर सामान खरीदते थे, ऐसे ही कई लोग नेपाल की जगह बिहार में आकर पेट्रोल और डीजल भरवाते थे। नेपाल के तराई क्षेत्रों के लोग ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उनके इलाके में पेट्रोल भारत से करीब ?28 महंगा है और डीजल भारत के मुकाबले ?31 प्रति लीटर महंगा है। लेकिन नई गाइडलाइंस के मुताबिक बिहार के अररिया, पूर्णिया, किशनगंज, सुपौल, कटिहार में नेपाल के वाहनों को अब पेट्रोल और डीजल नहीं दिया जाएगा।

नेपाल की गाड़ियां अब बिहार आकर सस्ता पेट्रोल या डीजल नहीं भरवा पाएंगी। हम यह नहीं बोल रहे कि भारत ने यह फैसला नेपाल के फैसले को चुनौती देने के लिए लिया है। लेकिन भारत ने फैसला तो ले ही लिया है।

संयोग देखिए कि बिहार के जिन इलाकों में नेपाल नंबर प्लेट वाली गाड़ियों को पेट्रोल और डीजल नहीं दिया जाएगा। उन्हीं इलाकों से नेपाल के लोग सामान भी खरीद कर जाते थे। जिन पर नेपाल की सेना ने अब कस्टम ड्यूटी लगा दी है।

कर्मचारी वेतन-पेंशन के लिए सड़क पर उतरे

पेशावर

डॉन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पेशावर विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने सोमवार को मार्च महीने की सैलरी और पेंशन न मिलने के विरोध में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय परिसर के बाहर व्यस्त जमरुद रोड को भी जाम कर दिया और प्रांतीय सरकार तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ नारे लगाए। सड़क जाम होने के कारण, इस भीषण गर्मी में वाहन चालकों और यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्लास-क्क्क एसोसिएशन के अध्यक्ष इम्तियाज खान ने कहा कि ऐतिहासिक वङ्कढ गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा है, जबकि प्रशासन और प्रांतीय सरकार, दोनों ही इन चुनौतियों से निपटने के लिए कोई ठोस कदम उठाने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी ने निचले दर्जे के कर्मचारियों को मार्च की सैलरी किस्तों में दी है। उनके मुताबिक, फैकल्टी सदस्यों को उनकी सैलरी का सिर्फ. 40 परसेंट हिस्सा मिला, जबकि रिटायर हो चुके कर्मचारियों को अभी तक उनकी पेंशन नहीं मिली है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सैलरी और पेंशन का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सही इंतजाम नहीं किए गए।

तेल संगठन से बाहर होने का ऐलान किया

संयुक्त अरब

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 1 मई से तेल उत्पादक देशों के प्रमुख समूहों डढएउ और डढएउ+ से बाहर निकलने की घोषणा की है। यह घोषणा ऐसे समय में हुई है जब अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष ने पहले ही एक बड़ा ऊर्जा संकट खड़ा कर दिया है, जिसने वैश्विक बाजारों को और भी गहरी अनिश्चितता में धकेल दिया है। वअए ने अपनी सरकारी समाचार एजेंसी हअट के जरिए यह घोषणा की। वअए ने कहा, "यह फैसला वअए के दीर्घकालिक रणनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण और उसकी बदलती ऊर्जा प्रोफाइल को दशार्ता है - जिसमें घरेलू ऊर्जा उत्पादन में तेजी से निवेश शामिल है और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में एक ज़िम्मेदार, भरोसेमंद और भविष्योन्मुखी भूमिका निभाने की उसकी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है।

यह कदम ऐसे समय में भी आया है जब वअए का सऊदी अरब के साथ टकराव बढ़ता जा रहा है, खासकर आर्थिक मुद्दों और यमन में ईरान समर्थित हूथी विद्रोहियों के खिलाफ चल रहे युद्ध को लेकर। डढएउ के सबसे प्रभावशाली और लंबे समय से जुड़े सदस्यों में से एक होने के नाते, वअए ने पारंपरिक रूप से इस गुट की रणनीतियाँ तय करने में अहम भूमिका निभाई है। उसका अचानक बाहर निकलना इस समूह के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब वैश्विक अर्थव्यवस्था आपूर्ति में गंभीर रुकावटों और अस्थिरता से जूझ रही है।

वअए के बाहर निकलने से डढएउ की एकता खतरे में

रिपोर्ट्स के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात के बाहर निकलने से इस समूह में हलचल मचने और इसकी सामूहिक ताकत कमजोर पड़ने की संभावना है। यह समूह, जिसने भू-राजनीतिक मुद्दों और उत्पादन सीमाओं को लेकर मतभेदों के बावजूद ऐतिहासिक रूप से एकता बनाए रखी है, अब बढ़ते आंतरिक तनाव के जोखिम का सामना कर रहा है। साथ ही, डढएउ के भीतर मौजूद खाड़ी देशों के तेल उत्पादक गंभीर लॉजिस्टिकल चुनौतियों से जूझ रहे हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली तेल की शिपमेंट–जो ईरान और ओमान के बीच एक अहम वैश्विक पारगमन मार्ग है और जिससे दुनिया की लगभग पाँच में से एक हिस्से की कच्चा तेल और छठऋकी आपूर्ति होती है। ईरान की धमकियों और जहाजों पर हमलों के कारण बाधित हुई है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.: 9565333000
Email: akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा